अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMAN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्ष: 112, अंक: 10, अक्टूबर-2019 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2019-20 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

"आपदामपहर्तारं दातारं सर्व सम्पदाम।
लोकाभिरामं श्री रामं भूयो भूयो नमाम्यहम्।।

कुल पृष्ठ-68

प्रधान- रविशंकर शर्मा "जांगिड"

सम्पादक-प्रभुदयाल शर्मा "जांगिड"

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं. पालाराम जी शर्मा रायपुरवल-पंजाब

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर) –11 लाख + 1.25 करोड एक मंजिल निर्माण में सहयोग

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी, (इन्दौर) चेयरमैन प्रस्तावित महासभा भवन –86,00,000/–

श्री मीता राम जांगिड जी, मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई) –21,00,000/–

श्री एकलिंग जांगिड़ जी, सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री रविशंकर शर्मा जी, (जयपुर), महासभा प्रधान –11,00,000/–

श्री ओम प्रकाश जांगिड (सीकर, राजस्थान), –11,00,000/–

श्री लक्ष्मण जी जांगिड (मुम्बई) –11,00,000/–

श्री लीलूराम शर्मा चेयरमैन,जां.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली 11,00,000/–

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अमरा राम जांगिड जी दुबई अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जांगिड महासभा -5,51,000/-

श्री गिरधारी लाल जी (बेंगलुरू) -501,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी (मै.राज.कोचबिल्डर्स,धार) -5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड जी, (जोधपुर) -5,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी, (बैंगलोर) -5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर -5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली) -5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी (टाईगर) (दिल्ली) -5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा (वाराणसी) -5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा जी, (चित्तौडगढ) -5,00,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी, (धारूहेड़ा) -2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी, (जयपुर) -2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी (सीकर) -2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले) (जयपुर) -2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी, (मुम्बई), -2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी (मुम्बई), -2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा जी (नदबई), -2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली(प्रधान शिरोमणी सभा) -2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली -2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड जी, मुम्बई -2,51,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड जी (नांदेड) -2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी देवास, (मध्य प्रदेश) -2,50,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी, (अहमदाबाद) -2,50,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा 'संरपंच' जी (पूर्व कार्यकारी प्रधान एवं पूर्व प्रधान शिरोमणी सभा) -2,50,000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जी, दिल्ली (वायस चेयरमेन शिरोमणी सभा) -2,50,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री संजय शर्मा जी, (जयपुर) -2,00,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा जी आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा -1,53,000/-

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार -करावल नगर-उपाध्यक्ष अ.भा.जा.ब्रा.महासभा-1,51,111/-

श्री जवाहर लाल जांगिड जी, उज्जैन (मध्य प्रदेश) -1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा जी यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा-1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड जी (नागपुर) -1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड जी थाने, मुम्बई -1,51,000/-

श्री लक्ष्मी नारायण जी, (गुड़गांव) -1,11,111/-

डॉ. शेरसिंह जी जांगडा गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.) -1,11,111/-

श्री रमेश कुमार जी, (सोनीपत, हरि.) -1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी, (रोहतक) -1,11,111/-

श्री संजीव कुमार जी, (रोहतक) -1,11,111/-

श्री फूलकुमार जी जांगडा, (सोनीपत) -1,11,111/-

श्री श्रीचन्द शर्मा जी, मुल्तान नगर (दिल्ली) -1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड जी एवं श्री हरीशंकर जांगिड जी,(जयपुर) -1,11,000/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य जी शामली, (उत्तर प्रदेश) -1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा जी, साहिबाबाद,(पूर्व संपादक जांगिड ब्राह्मण)-1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड जी (रोहतक) -1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी, समालखा(पानीपत) -1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड जी (नागपुर) -1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (नागपुर) -1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी (खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी) -1,01,101/-

श्री हरिपाल शर्मा जी फालना -1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी, (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली-1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी ज्योति कॉलोनी-महामंत्री अ.भा.जां.ब्रा.महासभा-1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी
श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा दिल्ली-1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा जी
आई.पी.एक्सटेंशन-सह कोषाध्यक्ष अ.भा.जा.ब्रा.महासभा-1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी
ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी दिल्ली जिलासभा-1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह जी आर्य
कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा-1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड जी
सोनीपत
-1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड जी, (मुम्बई)
-1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड जी, गोरेगांव, (मुम्बई)
-1,01,000/-

श्री अशोक कमार शर्मा जी, (औरंगाबाद)
-1,01,000/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया जी,(बहादुरगढ़)
-1,01,000/-

श्री नानूराम जांगिड जी (हिंगोली)
-1,01,000/-

श्रीमती सुमित्रा देवी जी
ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान)
महासभा -1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा
सागरपुर दिल्ली,
-1,00,001/-

श्री टेकचन्द जांगिड जी
फरीदाबाद,
-1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल जी
(अजमेर)
-1,00,000/-

श्री विजय शर्मा जी
(ताबडू)
-1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी
(दिल्ली)
-1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी
(छतीसगढ़)
-1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी,
(गुड़गांव)
-1,00,000/-

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
-1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(अहमदाबाद)
-1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी
(गुड़गांव)
-1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
-1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
-1,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(हिसार)
-1,00,000/-

श्री मंगलसैन जी शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
-1,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सूरजमल जांगिड जी, (हिंगोली)
-1,00,000/-

श्री शिवचन्दर जांगिड जी, (अटेली मंडी, नारनौल)
-55,555/-

श्री मोहिन्द्र कुमार जी आर्य, (महेन्द्रगढ़)
-51,151/-

श्री हंसराज जांगिड जी (दिल्ली)
-51,000/-

श्री सूरजमल बरनेला जी (छत्तीसगढ़)
-51,000/-

श्री मालीराम जांगिड जी (नागपुर)
-51,000/-

श्री इन्द्रचन्द शर्मा जी (नागपुर)
-51,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी (नागपुर)
-51,000/-

श्री गोपाल शर्मा जी (नागपुर)
-51,000/-

श्री ब्रह्मदत्त शर्मा जी (गाजियाबाद)
-51,000/-

श्री मुकेश शर्मा जी (मोदीनगर)
-51,000/-

श्री नारायण दत्त जी (साड़ीवाले) (लक्ष्मी नगर, दिल्ली)
-51,000/-

श्री संजय शर्मा जी (रोहिणी, दिल्ली)
-51,000/-

श्री महावीर प्रसाद जांगिड जी अहमदाबाद
-51,000/-

श्री रमेश ग्रामीण जी (मुम्बई)
-51,000/-

श्री दयानन्द रामकुमार जांगिड जी (अन्धेरी ई. मुम्बई)
-51,000/-

श्री प्रहलाद कुमार जांगिड जी (भायंदर, मुम्बई)
-51,000/-

श्री बाबू के. जांगिड जी (मुम्बई)
-51,000/-

श्री विनोद कुमार जांगिड जी (हैदराबाद)
-51,000/-

श्री सावरमल रामगोपाल जांगिड जी (कांदीवली ईस्ट मुम्बई)
-51,000/-

श्री प्रमोद जांगिड जी (हैदराबाद)
-51,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी (हैदराबाद)
-51,000/-

श्री विनोद कुमार जांगिड जी (हैदराबाद)
-51,000/-

श्री ओमप्रकाश जे. शर्मा जी (मुम्बई)
-51,000/-

श्री हरलाल बी. जांगिड जी (मीरा रोड, मुम्बई)
-51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री राजेश जांगिड़ जी एवं
श्री निर्मल जांगिड़ जी
हैदराबाद- 51000/-

श्री राहुल जांगिड जी
पूठखुर्द (दिल्ली)
-51,000/-

श्री गणेशराम मुखराम
जांगिड जी(मुम्बई)
-51,000/-

श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड जी
(भाईंदर, मुम्बई)
-51,000/-

श्री रोहिताश जांगिड
(औरंगाबाद)
-51,000/-

श्री कृष्णचन्द जांगडा जी
(ग्राम सिलाना, झज्जर)
-51,151/-

श्री कृष्ण खंडेलवाल
जी(गोहाना)
-51,111/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(साधनगर, दिल्ली)
-51,000/-

श्री विजय दत्त शर्मा
आई पी एक्सटेंशन, दिल्ली
-51,000/-

श्री अजीत जांगडा जी
(बहादुरगढ़)
-51,000/-

श्री अजीत सिंह जांगडा जी
(झज्जर)
-51,000/-

श्री अशोक कुमार जांगिड जी
(खिचड़ीपुर, दिल्ली)
-51,000/-

श्री रणसिंह जांगडा जी
(ग्राम सिलाना, झज्जर)
-51,000/-

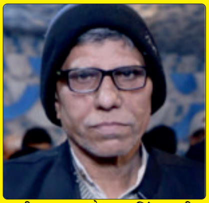

श्री जग शोरण सिंह जी
(अशोक नगर, दिल्ली)
-51,000/-

श्री मुकेश कुमार जांगिड़,
शामली (उत्तर प्रदेश)
-50,000/-

श्री राधेश्याम शर्मा जी,
शामली (उत्तर प्रदेश)
-50,000/-

श्री सुनील कुमार जांगिड
(मुम्बई)
-50,000/-

श्री सुभाष चंद्र शर्मा
(जयपुर)
-50,000/-

श्री सुबोध कुमार जांगिड जी
(खिचड़ीपुर, दिल्ली)
-50,000/-

श्री रामेश्वर दास जी
(बहादुरगढ़)
-21,521/-

श्री धर्मपाल शर्मा
(मेरठ)
-21,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगडा,
(हिसार वाले) दिल्ली
-21,000/-

श्री रविन्द्र शर्मा जी
आई पी एक्सटेंशन, दिल्ली
-21,000/-

श्री विजय पाल सिंह
जांगिड जी (फरीदाबाद)
-21,000/-

श्री राजबीर सिंह जांगिड जी
पांडव नगर, दिल्ली
-11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री भंवरलाल गुगरिया जी
बेंगलुरू
-5,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया जी
बेंगलूरू
-1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा जी
बेंगलूरू
-1,50,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा जी,
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
-1,01,000/-

श्री जगबीर सिंह जांगडा
(गोहाना)
-11,000/-

श्री उम्मेद सिंह जांगडा जी
(गोहाना)-11,000/-

श्रीमती एवं कैप्टन श्री हरपाल
जांगडा जी,
भिवानी
-22,222/-

प्रदेशसभा
राजस्थान
-5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर
सोसाइटी, यमुना
विहार दिल्ली
-5,00,000/-

जिलासभा
बाड़मेर(राजस्थान)
-2,00,000/-

जिलासभा
पुणें महाराष्ट्र
-1,50,000/-

शास्त्री नगर
शाखासभा, दिल्ली
21,000/-

श्री जांगिड ब्राह्मण
समाजसेवा समिति
(नासिक,महाराष्ट्र)
51,000/-

प्रदेशसभा
उत्तराखण्ड
-51,000/-

त्रि-नगर
शाखासभा दिल्ली
-51,000/-

पालम
शाखासभा दिल्ली
-31,000/-

पुष्कर(अजमेर) में विश्वकर्मा एजूकेशन ट्रस्ट, छात्रवृति समारोह की चित्रावली

ISHAKA

Unit of K. C. Furnishers

Ishaka Decor Pvt. Ltd.

Spl. In:

All Type of Wood Works & Interiors

Sh. Anil Jangid
Managing Director

Late Sh. K. C. Jangid
Founder

Address(Factory): G-251, Phase-VI, Aya Nagar, New Delhi - 110 047.

Address (Showroom): G-264, Aya Nagar Delhi - 110 047.

Mob.: 9810988553, 9818132880, 9868404767
Email: ishaka.co.in@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.......

ओम प्रकाश जांगिड (गोठड़ा तगेलान, सीकर वाले)
पूर्व महामंत्री, जां.ब्रा.प्रदेश सभा दिल्ली

OMKARA
TRANSPORT PVT. LTD.

The Professional Carriers with Personal Care

Website : www.omkaratransport.com Email- accounts@omkaratransport.com

Head Office: 660, Sanjay Enclave, Opp. G.T.K. Depot., G.T. Karnal Road, Delhi-110033
Ph. (91-11) 27639241,27639341,27630041,27634841,27633841,Fax.27632841,27634841

ANKLESHWAR : Plot No. 432, Asian Paint Chowkdi, Near New Deep Chemical, GIDC–Ankleshwer
Mr. Kailash Jangid 02646-220276, 220797,9376011451, 9426740247

BHIWANDI : BGTA Compound, Opp.Maratha Punjab Hotel, Anjur Phata, Bhiwandi
Mr. Naresh 9320253841

CHANDIGARH : Plot No.-5 Sec-26 Transport Area, Chandigarh
Mr. Santosh 0172-3079441, 5006099, 9356606683, 9357899555

DELHI : AG-468, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi – 110042
Mr.Rajender Prasad 9311610041

FARIDABAD : 17/6 Mathura Road, Sarpanch Colony, Faridabad
Mr. Mahaveer Singh 0129-2227534, 9313058799, 9312582741

GANDHIDHAM : 105,Varindavan Complex, Nr. BMCB, Sector-9A, Plot No-20, Gandhidham-Kutch-370201, Mr.Rudramani Sharma 02836-239531,9099674577,9375674577

GURGAON : Naharpur Road, Nr. Anaj Mandi Chowk, Gurgaon
Mr. Gauri Shankar 0124-4031626, 9312403872, 9350584403

VAPI : 15-163A, Near Saiyad paper Mill, Jay shree Chamber 2nd Phase,
GIDC Vapi-396195 Mr. Sonu Singh 0260-3264022, 9377926191

PANT NAGAR : MIG-495 Awas Vikas, Opp:Himshikhar property, Rudrapur-Udhamsingh Nagar
Mr.Trilok Singh 9358865110

PUNE : Supreme House,149B, Transport Nagar, Sec-23, Pradhi Karan, Nigdi PUNE-410044, Mr. Subhash 020-27655987, 9371014573, 932665378

BHIWADI : G-464, Phase-1,Rico Industrial Area, Bhiwadi-301019
Mr. Ratan Singh 01493-223567, 224667, 9214021567, 9549821567

MUMBAI : 105,Sterling Chamber, Pune Street, Mumbai-400009
Mr.Ashok 022-32968650, 022-32968651, 022-23748845, 9321697083

OMKARA CAR ACCESORIES

SIKAR (RAJASTHAN)

'जांगिड ब्राह्मण' पत्र के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज में भावात्मक एकता, सहभागिता, सदाचार एवं नैतिकता जैसे गुण प्रोत्साहित करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को उजागर कर उनके उन्मूलन हेतु जनाधर तैयार करना।
6. पत्र प्रत्येक अंग्रेजी मास की 22-27 तारीख को प्रकाशित होता है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्र में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42470443, 011-42420443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रविशंकर शर्मा ''जांगिड''	-	09414110627
महामंत्री-पं.चन्द्रपाल भारद्वाज ''जांगिड''	-	09971915304
सम्पादक-पं.प्रभुदयाल शर्मा ''जांगिड''	-	09799055485

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर (01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	- 1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	- 51,000/-
रजत सदस्य	- 25,000/-
विशेष सम्पोषक	- 21,000/-
सम्पोषक सदस्य	- 11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	- 2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	- 500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	- 251/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-, वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-, वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के **स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं.** 61012926182 **(IFSC Code: SBIN0031013)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अनिल कुमार शर्मा ''जांगिड''
सह-कोषाध्यक्ष, मो. 09650027603

-शंकर लाल धनेरवा ''जांगिड''
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 09460381389

अनुक्रमणिका

13. सम्पादकीय.....
16. जां.ब्रा.समाज का प्रतिभा, वरिष्ठजन..
18. वि.दिवस व संस्था का रजत जयंती.
19. श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस...
20. हरियाणा-सशोधितमतदानकेन्द्रो कीसूची.
22. त्रैमासिक मीटिंग महासभा..
23. गाँधी जयन्ति एवं धन्वन्तरी दिवस..
25. जा.ब्रा.विद्यार्थी ट्रस्ट प्रार्थना पत्र..
26. पाली के समाजसेवी भंवरलाल जांगिड
28. श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस व हौंसला..
29. आओं जलायें - मन का दीप
30. श्रीमती एवं श्री वेद प्रकाश आर्य...
31. मकराना में विश्वकर्मा पूजन दिवस.
32. सीकर में विश्वकर्मा दि0पर विशाल
32. भारतीय राजनीति में पात्र जांगिड..
35. विशेष सूचना- पत्रिका
36. सच्चा त्याग सुख देता है
37. लादूराम शर्मा(जां.)पुनःबने दिल्लीप्रदेशाध्यक्ष
38. गुजराज प्रदेशाध्यक्ष चुनाव परिणाम.
39. श्री मोहनलाल जी जांगिड, गुजरात प्रदेशसभा के ''प्रदेशाध्यक्ष'' निर्वाचित
40. प्रदेशसभा महाराष्ट्र कार्यकारिणी की.
41. चुनाव अधिसूचना-पुणें
42. भारतीय राजनीति में पात्र जां.ब्राह्मण
44. अहं का ताश महल...
45. विचारों का पड़ता है चरित्र पर गहरा
46. *समाज बंधुओं से विनम्र अपील...*
47. होनहार प्रतिभाएं.....
48. कविताएं
51. संरक्षक सदस्य पत्रिका रहित.....
55. वैवाहिक विज्ञापन..
56. शोक सन्देश,

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

महासभा मुण्डका भवन हेतु दान दाताओं की सूची
इशाका डेकोर प्र.लि.
ओमकारा ट्रांसपोर्ट प्राईवेट लि.
कृष्णा इंटीरियर्स
जांगिड इंटीरियर्स डेकोर प्रा.लि.
श्रीपवन स्टोनटेक इण्डिया प्रा.लि.
विश्वकर्मा लेमिनेट्स प्रा.लि.
श्री दामोदर कोच क्राफ्ट प्रा.लि..
कमल प्रिन्टर्स
विश्वकर्मा मंदिर पहाडगंज की चित्रावली
श्री विश्वकर्मा (एमरी स्टोन)
शर्मा एण्ड कम्पनी
भागीरथ मोटर्स

Magzine Designed by Chandan

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर मास की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही है वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ है तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।?

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की **10 तारीख तक** महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमें पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अन्त में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दें। तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।-**सम्पादक**

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

रामायण के कुछ प्रसंग- मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

श्रीराम का पूरा जीवन ही सब मानवीय गुणों व कर्त्तव्यों के पालन से ओत प्रोत है। उन्होंने अपने शिष्ट जन से सभी सम्बन्धों, चाहे वह पिता-पुत्र का हो, पति-पत्नी का हो, राजा-प्रजा का हो, व चाहे गुरु-शिष्य का हो और सभी अवस्थाओं में चाहें घर हो या जंगल हो, चाहे दुःख हो या सुख, हर परिस्थिति में अपने कर्त्तव्य का पालन करके लोगों के सामने एक आदर्श स्थापित किया, जिसका अनुकरण करने से हर व्यक्ति अपने स्वयं को तथा दूसरों को सुखी बनाता हुआ मनुष्य का अन्तिम लक्ष्य मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। इसलिए लोग इन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम कहते है।

सच पूछों तो श्रीराम का जीवन एक मीठी रोटी के समान था जिसे कहीं से खाओं मीठी ही लगेगी। वैसे तो श्रीराम और कृष्ण हमारी संस्कृति के दो महान आधार स्तम्भ हैं। जिनके ग्रन्थ (1) रामचरितमानस (2) भगवद्गीता। जिनके जीवन को पढ़कर सिर्फ हिन्दू या भारतीय ही नहीं बल्कि मानव मात्र इन दोनों के जीवन से प्रेरणा पाकर अपने जीवन को सफल बना सकते है यहां रामायण के कुछ प्रसंग प्रस्तुत कर रहा हूँ पाठकगण इन्हें पढ़कर अवश्य ही लाभ उठायेंगे। **1.** पहले दिन श्रीराम को अयोध्या की गद्दी मिलने की बात हुई। और दूसरे दिन प्रातः ही अचानक चौदह वर्षो के लिए वन में जाने का पिता का आदेश मिल गया। गुरु वशिष्ठ कहते है कि मैनें श्रीराम को दोनों अवस्थाओं में देखा और पाया कि श्रीराम के चेहरे पर राजगद्दी के मिलने के समय कोई प्रसन्नता नही थी और वनवास का आदेश होने पर भी उनके चेहरे पर कोई उदासी या दुःख के भाव नही थे। इससे हमको श्रीराम के जीवन से सुख-दुःख में समान रहने की शिक्षा मिलती है जिसे तप कहते है। **2.** जब श्रीराम को बनवास जाने का आदेश मिला तो उसकों सहर्ष स्वीकार करके अपनी माता कौशल्या से वन जाने की अनुमति लेने के लिए राजमहल में गये तो श्रीराम की माता कौशल्या यज्ञ करते हुए मिली। इससे यह सिद्ध होता है कि प्राचीन काल में स्त्रियां शिक्षित होती थी और नित्य यज्ञ किया करती थी। इससे प्रेरणा लेकर हमें नित्य पारिवारिक यज्ञ करने का स्वभाव बनाना चाहिए। **3.** जब श्रीराम और लक्ष्मण सीता की खोज में जंगलों में भटक रहे थे तब सुग्रीव और हनुमान ने ऋष्यमूक पर्वत पर बैठे हुए उन दोनों को साधुवेष में देखा तो सुग्रीव को भय हुआ कि कहीं बाली ने तो इनको भेष बदल कर नहीं भेजा है, हनुमान को इनका परिचय जानने के लिए भेजा। हनुमान जी नीचे उतरकर श्रीराम व लक्ष्मण से सुन्दर ढंग से बातचीत की। जिससे श्रीराम हनुमान जी से बहुत अधिक प्रभावित हुए और लक्ष्मण को कहा कि हे लक्ष्मण! मुझे यह व्यक्ति चारों वेदों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद का विद्धान लगता है।इनसे हमारी जितनी देर बातचीत हुई है, इनकी भाषा इतनी सुन्दर व परिष्कृत है, कही भी बोलने में इन्होंने व्याकरण की भूल नही की है। हमें समझना चाहिए कि जो हनुमान जी को बन्दर कहा जाता है यह प्रचार गलत है। हनुमान जी विद्धान और सभ्य सुशिक्षित पुरूष थे उस समय वनों में रहने वालो को वानर कहा जाता है। सुग्रीव वाली अंगद आदि सभी वानर जाति के मनुष्य थे। **4.** हनुमान जी के पूछले पर राम लक्ष्मण ने कहा कि हम अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र है और वरवास मिलने की पूरी कहानी सुनाई और श्रीराम ने कहा कि मेरी पत्नी सीता को कोई हर कर ले गया। उसी की खोज में हम घूम रहे है। यदि आप लोगों को कोई जानकारी हो तो कृप्या बताने का कष्ट करें तब हनुमान जी ने कहा हाँ! कुछ दिनों पहले रावण एक स्त्री को जबरदस्ती विमान में बिठाकर ले जा रहा

था वह स्त्री रो रही थी और कुछ गहने हम लोगों को बैठा देखकर हमारे पास फेंक दिये थे। वह जेवरों की पोटली मैं आपको लाकर दिखाता हूँ और हनुमान जी पर्वत पर जाकर वह पोटली ले आये और खोलकर दिखाये। तब श्रीराम ने सब गहने लक्ष्मण के सामने रखकर कहा हे लक्ष्मण तू इन गहनों को पहचान, ये गहने तेरी भाभी जी के है या नहीं। तब लक्ष्मण कहता है:-

नाहं, जानामि केयूरे, नाहं जानमि कुण्डले।
नूपरमेव जानामि, नित्यं पादभिवन्दनात् ।।

लक्ष्मण श्रीराम को कहते है कि हे भैया! मैं माता सीता के नाक, कान के गहने नहीं पहचान सकता, मैं तो माता के नित्य प्रात: चरण वन्दना करता था, इसलिए पैरों के नुपुरों को पहचान सकता हूँ। यह चरित्र की महानता का संसार में सबसे बडा उदाहरण है। ऐसा उदाहरण आपको अन्यत्र कही नही मिलेगा। ऐसे चरित्र के बल पर ही हमारा देश **''विश्वगुरु''** था।

5. जब श्रीराम को यह निश्चय हो गया कि सीता को राक्षस रावण ही ले गया है तब श्रीराम ने हनुमान को सीता की खोज के लिए लंका भेजा। हनुमान सारी रात लंका में खोजता रहा परन्तु सीता माता का कोई पता नहीं लगा। तब हनुमान जी को एक नदी दिखाई पड़ी और सोचा कि यदि सीता माता यदि जीवित है तो प्रात: इस नदी के किनारे संध्या करने तो अवश्य ही आयेगी। इसलिए वह एक वृक्ष के ऊपर छिपकर बैठ गया और प्रात: सीता ठीक समय पर संध्या करने नदी किनारे उसी वृक्ष के नीचे आई सीता का दुबला-पतला शरीर देखकर हनुमान जी समझ गये कि सीता माता यही होनी चाहिए। संध्या करने के बाद हनुमान जी नीचे उतरे और माता के चरणों में शीश झुकाकर बोले कि माताजी मैं श्रीराम का भेजा हुआ सेवक हूँ और मेरा नाम हनुमान है। सीता श्रीराम का नाम सुनकर बड़ी प्रसन्न हुई और बोली कि आपके पास क्या सबूत है कि आप श्रीराम के सेवक हो तब हनुमान जी ने श्रीराम की दी हुई अंगूठी सीता माता को दिखाई तब सीता को विश्वास हो गया। इससे हमें यह जानकारी मिलती है कि रामायण काल से सभी पुरूष और महिलाएं प्रात: काल ठीक समय पर नदी के किनारे संध्योंपासना किया करते थे तभी हनुमान जी को यह दृढ़ विश्वास था कि सीता माता इस नदी के किनारे संध्या वन्दना करने निश्चित रूप में आयेगी। यह आध्यामिकता का सजीव उदाहरण है।

6. जब विभीषण के बहुत समझाने पर भी रावण सीता को देने के लिए तैयार नहीं हुआ तब विभीषण रावण से रूष्ट होकर राम के दल में आ गया। श्रीराम ने विभीषण के चेहरे के हाव-भाव से समझ लिया कि यह व्यक्ति रावण से नाराज होकर आया है और हमारी विजय में बड़ा सहायक सिद्ध होगा। तब श्रीराम ने प्रथम मिलन पर ही विभीषण को खुश करने के लिए कहा, आओ लंकेश! आपका कैसे आना हुआ? तब लक्ष्मण ने कहा भैया। अभी तक तो हमने रावण से युद्ध ही नहीं किया है। क्या पता हमारी विजय होगी या नहीं। तब श्रीराम ने कहा सुनों लक्ष्मण! पहली बात तो यह कि हम सत्य पर है, ईश्वर हमारी विजय निश्चित ही करवायेंगे। यदि विजय हो गये तब तो विभीषण को लंका का राज्य देकर लंकेश बना ही दूंगा। यदि हमारी विजय नही हुई तो मैं इसकों लंकेश नही तो अयोध्या नरेश बना सकता हूँ श्रीराम अपने वचन के कितने पक्के थे। दूसरी बात यह सिद्ध होती है कि वे राजनीति में भी कितने कुशल थे। **7.** जब लक्ष्मण को युद्ध के समय मघनाथ द्वारा शक्तिबाण लग गया और लक्ष्मण मूर्छित हो गये तब हनुमान जी लंका जाकर वैद्य सुषेण को ले आये तब श्रीराम ने सुषेण वैद्य से कहा आप मेरे भाई को किसी प्रकार बचा लीजिए, मैं आपका बड़ा आभारी रहूंगा। तब सुषेण वैद्य ने कहा, मैं तो आपके शत्रु का वैद्य हूँ मैं आपके भाई को कैसे जीवित कर सकता हूँ मेरा कर्त्तव्य मुझे आज्ञा नही देता। तब श्रीराम ने कहा, मैं आपको कर्त्तव्यच्युत होने को नहीं कहूंगा, चाहे मुझे

अपना भाई ही क्यों न खोना पड़े। श्रीराम को अपनी मर्यादा को इतनी दृढ़ता से पालन करते देख सुषेण बहुत प्रसन्न हुआ और संजीवनी बूटी मंगवा कर लक्ष्मण को जीवित किया। इससे हमें श्रीराम अपनी मर्यादा पालन करने में कितने दृढ़ थे इस बात का बोध होता है। मर्यादा की रक्षा के लिए श्रीराम ने लक्ष्मण जैसे भाई का त्याग का निश्चय भी कर लिया। इससे बड़ा मर्यादा पालक कौन हो सकता है? **8.** जब सुषेण वैद्य के बताने पर हनुमान संजीवनी बूटी ले आये और उसे पीसकर पिलाने से लक्ष्मण की मूर्छा टूट गई और खड़े हो गये। तब लक्ष्मण ने कहा कि मैं तो नहीं बता सकता भैया श्रीराम ही बता सकते है, हाँ अब मैं सचेत हूँ, मूर्छा में नही इतना कह सकता हूँ, यह होता है भाई-भाई का प्रेम, चोट एक भाई को लगी है और दर्द दूसरे भाई को हेता है, यही प्रेम की पराकाष्ठा है। **9.** राम-रावण युद्ध में जब मेघनाथ मर गया और उसका शीश कट कर रामादल में जा गिरा तब सुलोचा अपनी सास मन्दोदरी से बोली कि माताजी मै अपने पति मेघनाथ का शीश लाकर सती होना चाहती हूँ इसलिए शीश लाने के लिए मुझे श्रीराम के दल में जाना पड़ेगा। वे तो मेरे श्वसुर के शत्रु है कारण मेरे श्वसुर ने उनकी धर्मपत्नी को हर कर ला रखा है तो कहीं मैं रामादल मे जाऊं तो मुझे वहां पकड़कर न रख लेवें। इसके उत्तर में मन्दोदरी ने जो कहा वह स्वर्ण अक्षरों में लिखने योग्य है। बोली बेटी! वह महान चरित्रवान श्रीराम है, वह तुम्हारा सम्मान करेंगे और तुम्हारें पति का शीश सहर्ष दे देंगे। यह था श्रीराम का चरित्र जिसका प्रशंसा शत्रु भी करते थे। **10.** किसी ने मन्दोदरी से कहा कि सीता तुमसे अधिक पतिव्रता है जो इतनी अधिक आपत्ति में भी अपना पतिव्रत धर्म नही छोड़ रही। तब मन्दोदरी ने कहा कि मेरा पति रावण है और सीता का पति श्रीराम जैसा मर्यादा पुरूषोत्तम है इसलिए वह मुझसे अधिक पतिव्रता जान पड़ती है। मैं रावण के पास रहकर भी पतिव्रता हूँ यह मेरी श्रेष्ठता है जिसे हर व्यक्ति नहीं जान सकता। धन्य है मन्दोदरी जिसने अपने पति रावण पर बिना कोई दोष लगाये सही ढंग से राम की प्रशंसा करके अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर दी है। **11.** किसी ने रावण से कहा कि तुम तो रूप बदलना जानते हो यदि सीता तुम्हारी ऐसी बात नही मानती है तो तुम राम के रूप में सीता के पास चले जाओं, वह तुम्हें राम समझ कर अपना लेंगी। रावण ने कहा अरे भैया! मैनें राम का रूप धारण करके भी देख लिया, पर क्या करूं जब राम का रूप धारण करता हूं तो मुझे हर पल स्त्री माता, बहन व बेटी दिखाई देने लग जाती है। वाह रे राम! तू एक अद्वितीय अनुपम व अनोखा पुरूष था। अत: सच में ही मर्यादा पुरूषोत्तम राम थे।

सम्पादक

हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त जांगिड ब्राह्मण समाज बन्धुओं को दिनांक 27 अक्टूबर 2019 रविवार को ''दीपावली महालक्ष्मी पूजन'' दिनांक 28 अक्टूबर 2019 सोमवार 2019 को ''गोवर्धन पूजा'' दिनांक 29 अक्टूबर 2019 मंगलवार ''भाई दूज'' व विश्वकर्मा पूजा दिवस'' की हार्दिक शुभकामनाएं। आप सभी के लिए उक्त पर्व उज्जवल, मंगलमय, सुखमय एवं समृद्धिदायक हों।

रविशंकर शर्मा 'जांगिड'
प्रधान- अ.भा.जा.ब्रा.महासभा दिल्ली

जांगिड ब्राह्मण समाज का प्रतिभा, वरिष्ठजन सम्मान समारोह एवं सामूहिक गोठ सम्पन्न

भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, शाखा सभा अजमेर के तत्वाधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 01 सितम्बर, 2019(रविवार) को वरिष्ठजन, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामुहिक गोठ का आयोजन बिडला सिटी वाटर पार्क जयपुर रोड़, अजमेर पर किया गया।

कार्यक्रम (वरिष्ठजन तथा प्रतिभा सम्मान समारोह) का शुभारम्भ दोपहर 01:00 बजे कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि श्री बंशीलाल जी कींजा जिलाध्यक्ष, जिलासभा अजमेर द्वारा कार्यक्रम में पधारे सम्मानीय अतिथियों एवं समाज बन्धुओं की उपस्थिति में महासभा ध्वजारोहण कर किया गया।

वरिष्ठजन तथा प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम का संचालन करते हुए शाखा सभा मंत्री राजेन्द्र कुमार जालोडिया ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों, समाज बन्धुओं, सम्मानित होने वाले वरिष्ठजनो, प्रतिभाओं एवं विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारीयों को आसन ग्रहण करने का अनुरोध करते हुए सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री लखन लाल जी शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश सभा राज0, अध्यक्षता हेतु श्री उमाशंकर जी पालड़िया पूर्व महामंत्री, महासभा दिल्ली, विशिष्ठ अतिथि श्री बंशीलाल जी कींजा जिलाध्यक्ष, श्री पारसमल जी जांगिड प्राचार्य, केन्द्रीय जेल प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर, श्री सतीश चन्द्र जी जांगिड (आरपीएस) पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक अजमेर, श्री राजेश जी नेपालिया अध्यक्ष, जिला लघु उद्योग संघ, अजमेर, श्रीमती डॉ0 रेणु जांगिड सह प्राचार्य, पृथवीराज चौहान राज0 महाविद्यालय अजमेर तथा शाखा सभा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जी पाखरोट को मंच पर आमन्त्रित किया तथा शाखा सभा पदाधिकारियों द्वारा सम्मानपूर्वक मंचासीन कराया गया। शाखा सभा सांस्कृतिक मंत्री श्री विवेक रुलेठिया तथा श्री अरुण कुमार झालुण्डिया द्वारा श्री विश्वकर्मा स्तुति गाकर एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रथम पूज्य श्री गणेशजी, श्री विश्वकर्मा जी, माँ सरस्वती जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात अतिथि देवो भवः की कामना के साथ मंचासीन अतिथियों का शाखा सभा के मुख्य परामर्शदाता श्री गोविन्द नारायण जी नेपालपुरिया, शाखा सभा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जी पाखरोट, कार्यकारी अध्यक्ष श्री गंगाराम जी हर्षवाल, कोषाध्यक्ष श्री घनश्याम जाला तथा शाखा सभा पदाधिकारियों द्वारा माला पहनाकर, बैच लगाकर, शॉल ओढाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया तथा शाखा सभा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जी पाखरोट का माल्यार्पण कर एवं बैच लगाकर अभिनन्दन किया। शाखा सभा अध्यक्ष ने अतिथियों एवं कार्यक्रम में पधारे सभी समाज बन्धुओं का स्वागत उद्बोधन के माध्यम, श्री विवेक रुलेठिया एवं अरुण कुमार झालुण्डिया द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान तथा शाखा सभा पदाधिकारियो द्वारा सामुहिक रुप से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पधारे विभिन्न शाखा सभा अध्यक्षों एवं अतिथियों का माल्यार्पणकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों, महासभा, प्रदेश सभा, जिला सभा, शाखा सभा एवं समाज के गणमान्य समाज समाज बन्धुओं द्वारा एक दम्पत्ती सहित कुल 2 वरिष्ठजनो को शॉल श्रीफल, माला, धार्मिक पुस्तक, छाता, ठण्डे पानी की बोतल व सम्मान पत्र भेंट का शुभाशिष प्राप्त किया ताा समाज की कुल 72 प्रतिभाओं(अधिस्नातक, स्नातक, बी0 टेक0 एवं डिप्लोमा परीक्षाओं में 70 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर-14, सीनियर सैकण्डरी एवं सैकण्डरी बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर सीनियर सैकण्डरों-27, सैकण्डरी-25 एवं राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में

प्रतिनिधित्व-6) डिप्लोमक में कु0 ज्योति जांगिड 81.64 प्रतिशत, सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में सुधांशु-94.40 प्रतिशत तथा सैकण्डरी परीक्षा (सी0बी0एस0ई0) में कार्तिक शर्मा व रोहन गोपाल जांगिड ने 95.60 प्रतिशत सर्वाधिक अंक प्राप्त करने तथा कु0 सुरभि शर्मा को एन0सी0सी0(नभसेना) अजमेर की ओर से गणतन्त्र दिवस परेड 2019 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने, कु0 आंचल जांगिड को नेशनल रालर हॉक्स चैम्पीयनशीप में गोल्ड तथा रोलर बॉस्केट बॉल चैम्पीयनशीप में 1 गोल्ड तथा 1 सिल्वर मेडल प्राप्त करने सहित सभी प्रतिभाओं को माला, एक्जीकेटिव डॉक्यूमेन्ट फाईल, पैन सेट एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री लखन लाल शर्मा जांगिड तथा मंचासीन अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम भव्य, सुन्दर, सुव्यवस्थित एवं सफल कार्यक्रम आयोजन की सराहना करते हुए समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, संस्कारित करने, समाज का राजनैतिक क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाये रखने एवं समाजिक एकता का बनाये रखने तथा समाज में फेली कुरितियों को दूर करने पर बल देते हुए शाखा सभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद एवं साधुवाद देते हुए सफल, सुन्दर एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद दिया।

समाज के युवाओं एवं बच्चों ने वाटर पार्क में नहानें, महिला एवं बच्चों ने पार्क में लगे झूलों पर झूलने का भरपूर आनन्द लिया। कार्यक्रम के अन्त में शाखा सभा अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद पाखरोट ने मंचासीन अतिथियों का आतिथ्य स्वीकार कर कार्यक्रम में पधारने पर धन्यवाद देते हुए उपस्थित समाज बन्धुओं एवं दान दाताओं को सहयोग करने तथा कार्यक्रम में पधार कर शोभा बढाने के लिए धन्यवाद दिया तथा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में शाखा सभा के पदाधिकारियों, कार्यकारीणी सदस्यों, कार्यकर्ताओं तथा समाज बन्धुओं के सहयोग की सराहना करते हुए कोटि-कोटि धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम का मंच संचालन शाखा सभा मंत्री राजेन्द्र कुमार जालोडिया ने किया विश्व शांति हेतु पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई एवं उपस्थित समाज बन्धुओं को सामुहिक स्नेह भोज के लिए आमन्त्रण दिया गया जिसमें लगभग 1500 समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने सहभोज का आनन्द लिया।

राजेन्द्र कुमार जालोडिया, मंत्री
शाखा सभा-अजमेर(राज0)

''निशुल्क एल.पी.जी. कनेक्शन दिये 111 महिलाओं को''

बाडमेर, समाज विकास संस्थान द्वारा उज्जवला योजना के अन्तर्गत 111 महिलाओं को नि:शुल्क एल.पी.जी. कनेक्शन दिये।समाज विकास संस्थान अध्यक्ष अशोक जांगिड ने बताया कि जरूरतमंद महिलाओं 111(एक सौ ग्यारह) एल.पी.जी. कनेक्शन नि:शुल्क दिये गये।

जांगिड ने बताया कि वृद्ध व विधवा महिलाओं को सरकारी पेंन्शन स्वीकृत करवायी गई। ऐसे कारपेन्टर भाईयों के लिए श्रमिक कार्ड बनाये गये जिसके कारण उन्हे सरकार द्वारा लाभ मिल सके। समाज विकास संस्थान अध्यक्ष ने बताया कि जरूरतमंदों के लिए विभिन्न शिविर लगवाये गये ताकि उन्हें लाभान्वित किया जा सके।

अशोक जांगिड
अध्यक्ष-समाज विकास संस्थान, बाड़मेर

"विश्वकर्मा दिवस एवं संस्था का रजत जयंती समारोह कार्यक्रम सम्पन्न"

दिनांक 15/09/209 को जांगिड़ वेलफेयर सोसायटी (रजि0) यमुना विहार, दिल्ली-53 के तत्वाधान में जांगिड ब्राह्मण सत्संग भवन एवं विश्वकर्मा मन्दिर, यमुना विहार के प्रांगण में भगवान विश्वकर्मा दिवस एवं संस्था का 'रजत जयंती समारोह' बड़ी धूम-धाम एवं हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें सम्पूर्ण भारत से आये हजारो स्त्री , पुरूषो एंव बच्चो ने भाग लिया।

उत्सव कार्यक्रम प्रात 8 बजे वैदिक यज्ञ-हवन से प्रारम्भ किया गया। उसके बाद विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन कर भगवान विश्वकर्मा को माल्यार्पण एवं आरती की गयी । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध उधोगपति श्री लादू राम जी जांगिड-दिल्ली-प्रदेश अध्यक्ष द्वारा की गयी। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथी के रूप में श्री मनोज तिवारी (सासंद पूर्वी दिल्ली एंव भाजपा प्रदेशाध्यक्ष) तथा अखिल भारतीय जांगिड् ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि शंकर जी शर्मा उपस्थित रहें।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना के उपरान्त 8 अति वरिष्ठ समाज सेवियो को सम्मानित किया गया, इसके अतिरिक्त होनहार/ मेधावी छात्र-छात्राओं को 2100/- रू प्रति छात्र के हिसाब से प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। तत्पश्चात 14 असहाय विधवाओं को भी 9600/-प्रति महिला तथा वस्त्र आदि देकर सहायता प्रदान की गयी। कार्यक्रम भाग लेने वालों मे सर्वश्री प्रमोद गुप्ता (क्षेत्रिय निगम पार्षद) अमन जांगड़ा (निगम पार्षद पालम) प्रभुदयाल शर्मा (सम्पादक महासभा) चन्द्रपाल भारद्वाज (महामंत्री महासभा) ओम नारायण शर्मा (राजेद्ध नगर), सी-ए. अनिल कुमार , गुरूदत शर्मा (रिटायर्ड असि0 कमीशनर, एमसीडी), सतपाल वत्स (बहादुरगढ़), मंगल सैन जागिंड (बड़ौत), ब्रज भूषण शर्मा (वसुन्धरा) मामचन्द जी एवं. हरपाल सिंह जी मेरठ, यशपाल जी (मेरठ) आर-पी. सिंह (श्याम विहार), नारायण दत्त जागिंड (लक्ष्मी नगर), नरेन्द्र कुमार शर्मा (मोनिका टूल्स, गाजि0), आदि गणमान्य अतिथियों ने भाग लेकर मंच की शोभा बढ़ायी। श्रीमती गीता देवी जांगिड़ एवं देवी सिंह ठेकेदार जी ने दीप प्रज्वलन अध्यक्ष की भूमिका निभाई।

आर्य जगत की प्रसिद्ध विदुषी बहन अजंली आर्या ने अपने भजनों एवं प्रेरणादायक उपदेशों द्वारा सम्पूर्ण जनसमूह को मंत्रमुग्द्ध कर एवं नौजवानों को अपने कर्त्तव्य के प्रति प्रेरित कर उत्सव को अति गरिमामय एवं मनमोहक बनाया। रवि शंकर जी शर्मा (राष्ट्रीय प्रधान, महासभा) ने अपने सम्बोधन में मुण्डका में बनने वाले महासभा भवन में आर्थिक सहयोग के लिए आवाहन किया । इस पर संस्था की ओर से प्रधान ब्रह्मानंद जी शर्मा ने महासभा के प्रस्तावित भवन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष को पाँच लाख रूपये की राशि का चेक भेंट करके नया कीर्तिमान स्थापित किया। मनोज तिवारी (भाजपा अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश) ने अपने सम्बोधन में समाज को हर प्रकार का सरक्षण देने की बात कही। संस्था के प्रधान ब्रह्मानंद जी शर्मा ने पूर्ण कार्यक्रम का सफल सचांलन करते हुए सभी पधारे हुए अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद कर सभा का समापन किया। व सभी अतिथियों को सुस्वादू भोजन करने के लिए आमंत्रित किया।

महेंन्द्र सिंह जांगिड

महासचिव

जां.ब्रा.सत्संग भवन, यमुना विहार, दिल्ली-53

श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस श्रद्धापूर्वक और हर्षोल्लास के साथ मनाया
हवन, औजारों की पुजा व भजन कीर्तन का आयोजन हुआ

जोधपुर। देवताओं के शिल्पकार, वास्तुशास्त्र के देवता, प्रथम इंजीनियर, देवताओं के इंजीनियर, मशीन के देवता, देव बढई, इंजीनियर, राजमिस्त्री, मजदूर, शिल्पकार, कामगार, हार्डवेयर, इलेक्ट्रीशियन, टेक्नीशियन, बढई, मैकेनिक, बुनकर, व्यापारी, और जांगिड़/सुथार समाज के आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा का पूजा दिवस 17 सितम्बर को देशभर में श्रद्धापूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन अवकाश रखा गया और उद्योगों, फैक्ट्रियों, प्रतिष्ठानों, और घरों में मशीनरी हेण्ड टूल्स, इलेक्ट्रानिक उपकरणों की सफाई रंगाई पोताई करके पूजा की गई। मन्दिर कमेटी के सचिव रामदयाल धामू ने बताया कि शहर के बाईजी का तालाब स्थित श्री विश्वकर्मा मन्दिर में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ पंचायत के अध्यक्ष सत्यनारायण कुलरिया ओर विश्वकर्मा मन्दिर के अध्यक्ष रामेश्वरलाल हर्षवाल के आतिथ्य में सुबह भगवान श्री विश्वकर्मा की विधिवत पूजा की गई, तत्पश्चात् हवन किया गया जिसमें समाजबन्धुओं ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी। इसके बाद निर्माणकार्य में उपयुक्त होने वाले मशीनरी ओर उपकरणों की पूजा की गई। दोपहर में भजन कीर्तन का आयोजन हुआ जिसमें समाज के भजन गायक पंकज जांगिड एण्ड पार्टी, भंवरलाल सलूण, महेन्द्र बूढल, मंजू डागा द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई तथा आरती के पश्चात् प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मन्दिर को आकर्षक फूलमण्डली व रोशनी से सजा कर भगवान श्री विश्वकर्मा की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया।

इस अवसर पर श्री पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हीरालाल आसदेव, सचिव कमल आसदेव, कोषाध्यक्ष मदन गोपाल बरडवा, मन्दिर कमेटी के उपाध्यक्ष गोरधन झीटावा, कोषाध्यक्ष गणपतलाल जायलवाल, सहसचिव भेराराम आसदेव, प्रचार मंत्री भींयाराम सलूण, प्रचार मंत्री लिखमाराम पीड़वा, समाज के गणमान्य प्रबुद्धजन नरेन्द्र सिलग, शंकरलाल सिलग, एन.के. दायमा, खींयाराम भदरेचा, नरेश दम्मीवाल, एडवोकेट भारत भूषण शर्मा, ईश्वर माकड़, गजेन्द्र बरडवा, गुलाबप्रसाद बरडवा, महेश माकड़, तुलछाराम बरडवा, संतोष कुमार छडिया, ओमप्रकाश गुगरिया, देवीलाल छडिया, रामदयाल जादम, रविन्द्र जागिंड़, महेन्द्र जांगिड़, ललित चुईल, छगनलाल जायलवाल, गोविन्दराम अटवासिया सहित अनेक समाज बन्धु, महिलाऐं और भक्तगण शामिल हुए।

समाज के प्रबुद्धजन नरेन्द्र सिलग ने विश्वकर्मा पूजा के महत्व के बारे में बताया कि अगर मनुष्य को शिल्प ज्ञान न हो तो निर्माण कार्य नहीं कर सकता, जिससे मानव सभ्यता का विकास रूक जाएगा, इसलिए् सामाजिक, आर्थिक ओर सांस्कृतिक विकास के लिए शिल्प ज्ञान अतिआवश्यक है। यह पूजा करने से तरक्की के साथ व्यापार में मुनाफा होता हैं।

रामदयाल धामू

सचिव विश्वकर्मा मन्दिर कमेटी मो. 9509770910

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार
-: संशोधित होने वाले मतदान केन्द्रों की सूचि :-

1. हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष-डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:-9582796897
बूथ न. 8 8. **विश्वकर्मा धर्मशाला हिसार** **नोट:** हिसार मतदान केन्द्र पर हिसार, हांसी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक- श्री पृथ्वी सिंह Exen-9416291541**	1. **मतदान अधिकारी**-श्री महेन्द्र सिंह पूर्वप्रधान, 9446606545 2. **मतदान अधिकारी**-श्री उमेशसिंह मा.हिसार, 9466134370 3. **मतदान अधिकारी**-श्री बलवंतसिह (रि.मै.), 9355102521 4. **मतदान अधिकारी**-श्री अमीलाल (कमां), 9416923798 **जिलाध्यक्ष** - श्री धर्मसिंह जी
बूथ न. 10 10. **श्री विश्वकर्मा धर्मशाला कैथल रोड, नजदीक रीवर पुल, करनाल** **नोट:** जिला करनाल तथा जिला कैथल के सभी मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक**- श्री प्रेमसिंह जी- 9268620820 **पर्यवेक्षक**- श्री सतनारायण जी- 9811034097	1. **मतदान अधिकारी**-सुरेन्द्र ऐ.डी.ओ, 9813795348 2. **मतदान अधिकारी**-श्री सुनील कुमार, 9416469952 3. **मतदान अधिकारी**-श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री कुलवंतराय 4. **मतदान अधिकारी** श्री अनिल जांगडा, 9416908331 **जिलाध्यक्ष** - राजपाल सिंह जांगडा, 9896515000
बूथ न. 17 17. **श्री विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला, गन्नौर मंडी, रेलवे रोड,** **नोट:** पानीपत, एवं सोनीपत जिले सभी मतदाता मतदान करेंगें। पर्यवेक्षक- **श्री राजेन्द्र सिंह नांगलोई-9211620450**	1. **मतदान अधिकारी**-श्री राजेन्द्र सिंह जां(नांगलोई), 9312438483 2. **मतदान अधिकारी**-श्री सीलक राम (नांगलोई), 9212787487 3. **मतदान अधिकारी**-श्री रमेश शर्मा-7840020200 4. **मतदान अधिकारी**-श्री सत्यभूषण आर्य,(समालखा), **जिलाध्यक्ष**- श्री श्रीराम, 8930599633
बूथ न. 18 18. **विश्वकर्मा मंदिर पुल बाजार, नारनौल** **नोट:** नारनौल के सभी मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक- श्री सुल्तान आर्य-9416717938**	1. **मतदान अधिकारी**-श्री मानचन्द सरपंच, 9416443550 2. **मतदान अधिकारी**-श्री दौलतराम रापुरवाला, 9813371969 3. **मतदान अधिकारी**-श्री भानी सहाय एड, 9416903928 4. **मतदान अधिकारी**-श्री मोती राम (नारनौल), 9416444354 **जिलाध्यक्ष**- पंचम सिंह, 9416342243
बूथ न. 19 19. **जांगिड ब्राह्मण विश्वकर्मा मंदिर नजदीक रेलवे चौक महेन्द्रगढ़)** **नोट:** महेन्द्रगढ़ के सभी मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक- श्री ईश्वर सिंह जांगडा(Advocate) - 9467537350**	1. **मतदान अधिकारी**-श्री विनय कुमार जां (लैक्चरार), 9416170500 2. **मतदान अधिकारी**-श्री मनोज कुमार जां(वा.चेयरमेन), 9416321903 3. **मतदान अधिकारी**-श्री विरेन्द्र(हेडमास्टर, कैमला), 9416703015 4. **मतदान अधिकारी**-श्री परभाती जी, 9466347642 **जिलाध्यक्ष**- पंचम सिंह, 9416342243

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार
-: संशोधित होने वाले मतदान केन्द्रों की सूचि :-

हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 20 20. **विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण भवन बिघेर रोड, फतेहाबाद** **नोट:** इस मतदान केन्द्र पर फतेहाबाद जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री मांगेराम जांगिड–8168155710**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री सत्यवान जांगडा, 9996611302 2. **मतदान अधिकारी**–श्री मांगेराम फतेहबाद, 8168155710 3. **मतदान अधिकारी**–श्री केदारलाल जांगडा, 9812227070 जिलाध्यक्ष – श्री पवन कुमार , सिरसा, 98168914568
बूथ न. 21 21. **जांगिड धर्मशाला, जीन्द,** **नोट:** जिला जीन्द के सभी मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री सुभाष जांगडा,वा.चेयरमेन,9291892518 2. **मतदान अधिकारी**–श्री विजय जांगडा जी, 8950734706 3. **मतदान अधिकारी**–श्री सुरेन्द्र उचाणा, 8708360262 4. **मतदान अधिकारी**–श्री राजेन्द्र सिंह,ट्रक बाडी व. 9355122037 **जिलाध्यक्ष** – श्री महेन्द्र सिंह, 9416600045
बूथ न. 24 24. **जांगिड धर्मशाला काठमंडी, चरखी दादरी** **नोट:** चरखी दादरी मतदान केन्द्र पर चरखी दादरी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री राजेन्द्र छापारिया–9896644977**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री अशोक कुमार, रिटा.इस्पे.–9416128291 2. **मतदान अधिकारी**–श्री देशराज, रिटा इस्पे.– 9416320721 3. **मतदान अधिकारी**–श्री जयसिंह जांगिड,कारी, 9813545047 **जिलाध्यक्ष**– श्री शेरसिह , 9050827240
बूथ न. 26 26. **जांगिड ब्राह्मण धर्मशाला सिविल हॉस्पीटल रोड, पंचवटी चौराहा,पलवल** **नोट:** पलवल मतदान केन्द्र पर पलवल, पुनहानां, हथीन व पिनगंवा के सभी मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री कै.सूरजभान जांगिड–9466783393**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री देवदत्त जी, 9315491202 2. **मतदान अधिकारी**–श्री सुभाष शर्मा, 9968193133 3. **मतदान अधिकारी**–श्री संजीव जी, 9871093045 4. **मतदान अधिकारी**–श्री हरिओम जी, 9891107772 **जिलाध्यक्ष**– ज्ञानचन्द जांगिड, 9728372484
बूथ न. 27 27. **विश्वकर्मा ट्रस्ट धर्मशाला काठमंडी सिरसा** **नोट:** सिरसा मतदान केन्द्र पर सिरसा जिले के सभी मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री रामतीर्थ सुथार–9812200063**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री अशोक कुमार खण्डेलवाल, 9255957184 2. **मतदान अधिकारी**–श्री भजनलाल, 9416356773 3. **मतदान अधिकारी**–श्री ओमप्रकाश सुथार, 9896508666 **जिलाध्यक्ष**– श्री पवन कुमार ,सिरसा, 98168914568

रेवाडी-सी- मतदान अधिकारी सत्यपाल काठमंडी के स्थान पर ईश्वर सिंह हरिनगर- 9466782747 को नियुक्त किया गया है।

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार
-: संशोधित होने वाले मतदान केन्द्रों की सूचि :-

हरियाणा		प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 28	28. जांगडा धर्मशाला कैथल, पुरानी सब्जी मण्डी नोट: इस मतदान केन्द्र पर कैथल जिले के मतदाता मतदान करेंगे।	1. मतदान अधिकारी–श्री कर्मबीर– 8708762016 2. मतदान अधिकारी–श्री ज्ञानीराम– 9466543943 3. मतदान अधिकारी–श्री सुरेन्द्र– 8168555326
पर्यवेक्षक– श्री गुरूदेव जांगडा लैक्चरार कैथल– 7988742641		

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली
त्रैमासिक मीटिंग की सूचना

सादर सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग 08 दिसम्बर 2019 को प्रात: 10:30 बजे से जांगिड ब्राह्मण सेवा सदन बिडला फार्म, हरीपुर कलां नजदीक देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्धार, (उत्तराखण्ड) में आयोजित की जायेगी। मीटिंग की अध्यक्षता राष्ट्रीय प्रधान श्री रविशंकर जांगिड करेंगे।

महासभा मीटिंग का एजेण्डा अगले माह के अंक में प्रकाशित किया जायेगा।

अत: हम महासभा के सभी कार्यकारिणी सदस्यों से अनुरोध करते है कि 8 दिसम्बर 2019 की मीटिंग में आप सभी पधार कर अपना सार्थक सहयोग दें।

धन्यवाद

चन्द्रपाल भारद्वाज
महामंत्री महासभा

सम्पर्क सूत्र–

1. श्री रमेश चन्द शर्मा, प्रदेशसभा हरिद्धार– 9319189751
2. श्री आर.पी. सिंह प्रदेश प्रभारी दिल्ली– 9871231441
3. सीए अनिल कुमार शर्मा दिल्ली– 9650027603

गाँधी जयन्ति एवं धन्वन्तरी दिवस वर्ष 2019 पर विशेष

मेरे समाज बन्धुओं, मित्रो, किसानो एवं कर्मचारी भाई, बहिनो एवं देश वासियों शोधकर्ता ने पिण्ड से ब्रह्मण्ड की उत्पति के सिद्धान्त पर श्री विश्वकर्मा जाँगिड कर्मचारी समिति जयपुर की बन्धुत्व सन्देश पत्रिका माह मई-जून संयुक्त वर्ष 2003 में प्रकाशन इक्कीसवी सदी के निर्माण में आयुर्वेद एवं प्रोंतिक चिकित्सा के महत्व में बाछे को गणेश तथा पशु-पक्षियों एवं पेड-पौधों की भाषा में एवं भविष्यवाणी पहचानकर विश्व में आठवाँ आश्चर्य प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु वेद पुराण शास्त्र योग आयुर्वेद तथा सृष्टि के उत्पति के प्राकृतिक इतिहास पर शोध पत्र लिख दिया गया था। तथा पुनः श्रादों में दिनांक 22-09-2019 को भारत के राष्ट्रीय ध्वज की हरी पट्टी में इन्द्र भगवात्र एवं असली गणेश जी का प्रयोग करके देख लिया गया है। तथा यह भी सिद्ध हो चुका है कि सभी देवी देवता शोध पत्रों पर मन्थन करके धर्म की स्थापना करने हेतु विश्वकर्माधाम ग्राम खरतवासिया में पधार चुके है। मित्रों गाय को माता एवं गायत्री का दर्जा इसलिए दिया गया है कि गाय हमें जिन्दगी भर दूध पिलाती है। तथा गाय का दूध सबसे पोष्टिक एवं त्रिदोष नाशक औषधि एवं आहार होता है आयुर्वेद में आहार-विहार को ही औषधि बताया है। बाछे को गणेश इसलिए बताया है कि गाय का दूध पीकर मनुष्य आलस्य हीन फुर्ती पैदा करता है तथा रिद्धि-सिद्धि का दाता इसलिए है कि सृष्टि के उत्पति के प्राकृतिक इतिहास से सम्बन्ध होने से इन्द्र भगवान खुश होता है अतः प्राकृतिक आहार व चने जैसी औषधियों एवं जडी बूटियां पैदा होती है। प्रकृति के संकेत मिल रहें हैं कि असली गणेशजी की पूजा होकर उचित माध्यम से चढावा चालू हो जावें तो पृथ्वी पर अकाल पडने बन्द हो सकते हैं तथा गौशालाओं में गौबर गैस प्लाट एवं जैविक खाद आदि बनने लग जावें तो विदेशों से तेल का आयात बन्द हो सकता है। रोजगार को बढ़ावा मिलकर कृषि प्रधान देश पुनः विश्व गुरू एवं सोने की चिडिया बन सकता है। भैंस का दूध वात वर्धक होने की वजह से वात व्याधि, हृदय रोग तथा भूत प्रेत जैसी मानसिक बिमारियाँ उत्पन्न करता है। मित्रों संघ लोक सेवा आयोग के कम्पीटिशन से सिद्ध हुआ है कि सालासर में मोहनदास की धूणी है तथा विश्वकर्माधाम ग्राम खरतवासिया में मोहनदास कर्मचन्द गाँधी का सत्य एवं अंहिसा है। जिसको नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने राष्ट्रपिता की उपाधि दी थीं। तथा गाँधीजी के आखरी शब्द हेराम! को प्रकृति के ब्रह्मण्ड में पकडने से सिद्ध हुआ है कि विश्वगुरू कहलाने वाले भारत की संस्कृति पर प्रश्नचिन्ह लग गया हैं, कि पिता के गोली मारने की संस्कृति भारत में कब से चली है ? जो प्राकृतिक वैज्ञानिक परीक्षण में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर ने प्रकृति के गुप्त रहस्य में गाँधी जी के ग्यारह व्रतों को योग के द्वारा प्रमाणित करके ब्रह्मा विष्णु एवं शिव के रूप में वैज्ञानिक परीक्षण सहित प्रमाणित है। जो सबसे बडा तप, धर्म एवं योग के द्वारा समाधि है। जिससे ग्रहस्थ से लेकर राजधर्म तक टिका हुआ है। जो बन्धुत्व सन्देश जाँगिड कर्मचारी समिति जयपुर की मासिक पत्रिका माह दिसम्बर 2018 में युग निर्माण हेतु पेज नं. 24 पर छाप चुका है । तथा एकादश व्रत निम्न लिखित है:-

सत्य, अंहिसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य अपरिग्रह । शरीरश्रम, अस्वाद सर्वत्र भय वर्जनः।।
सर्वधर्म समानत्व स्वदेशी स्पर्शभावनाः।। ही एकादश सेवार्वी नमत्व व्रतनिश्चय ।।

मेरा मित्र सुभाष जाखड एवं महेन्द्र सिंह राठौड एक बार मुझे गुरू धारण करवाने हेतु मथुरा लेजाकर जयगुरूदेव जी को गुरू धारण करवाया था। तथा गुरूजी का एक नारा था कि कलयुग जायेगा, सत्तयुग आयेगा तथा आयुर्वेद के ग्रन्थों में भी लिख रखा है, कि कली काल में भगवान धन्वन्तरी पक्षी का रूप धारण करके

बाणभट्ट नामक आचार्य के धर गया था। आचार्य बाणभट्ट के भाषा पहचानने पर भगवान धन्वन्तरी ने प्रकट रूप में अनेक आशिर्वाद एवं संग्रह ग्रन्थों में निर्माण का आदेश देकर अर्न्तध्यान हो गये। विश्वकर्मा पुराण के अनुसार भी कलयुग को कला एवं विज्ञान का युग मानकर सतयुग की स्थापना करने में आयुर्वेद विभाग एवं देश के कहां समस्या आ रही हैं। वेदों में भी सत्य को ईश्वर एवं शिव माना है। जो धन्वन्तरी की प्राकृतिक माचिस ग्राम पोस्ट ददरेवा (चूरू) में अग्नि परीक्षण से सिद्ध भी हो चुका है कि राम नाम सत्य है, सत्य बोलता ये गीत है। **वतन रे झूंठ मत बोलो खुदा के पास जाना है।** चरक संहिता में . प्रज्ञापराध जनपदोंध्वंश, आप्तोपदेश एवं पुर्नजन्म बताया है। जिसमें आयुर्वेद विभाग के अधिकारियों की कहीं भी छट नहीं लिख रखी है। संजीवनी बुन्टी वाले हनुमानजी ने एक बार मुझे कफन कांटी लोन हेतु सुझाव दिया था अतः मैने तो आयुर्वेद के प्राकृतिक इतिहास पर शोध ग्रन्थ लिख दिया है। शोध ग्रन्थ को प्रकाशन करवाना आपका काम है। मेरे सीनियर बोस एवं बडे भाई लखपतराम भाकर (चूरू) एवं आसुसिंह राठौड को मैने गाँधी विद्या मन्दिर सरदारशहर (चूरू) में रात्री में सफेद कपडों में शहीद दिखा बताया था जो शोधकर्ता ने शोध पत्रों में बिल्कुल सत्य लिखकर सिद्ध कर दिया है। सुभाष चन्द्र जाखड से प्रार्थना है कि ये जो मैं लिख रहा हूँ उसको गुरू कृपा मान रहा हूँ। अतः या तो गुरूजी का नारा एवं भारत के वेद पुराण शास्त्र सब झूंठे है अन्यथा शोधकर्ता की प्रतिकूल टिप्पणी दूर करवाते हुए शोध ग्रन्थ का भारत के संग्रह ग्रन्थों में प्रकाशन क्यों नहीं हो रहा है ?

पृथ्वी पर भगवान व देवता अब भी अवतार नए लेगे तो फिर कब लेगें। शोधकर्ता भारत के राष्ट्रीय ध्वज एवं धन्वन्तरी की प्राकृतिक माचिस में अग्नि परिक्षण करके संघलोक सेवा आयोग के कम्पीटिशन में पास हो चुका है तथा रामभक्त हनुमानजी भी भारत के लोकतंत्र की आत्मा तथा गाँधीजी के अधुरे कार्य पूरे करने एवं भारतीय संस्कृति का पुनः जीवित करने है, हेतु संजीवनी बूटी लेकर विश्वकर्माधाम ग्राम खरतवासिया की सृजीवन भूमि पर पहूँच चुके हैं ।

मित्रों यह भी शोध एवं मन्थन का विषय है कि यह दोहे किसने और क्यों कहें ? तथा ज भारतीय जाँगिड़ ब्रह्मण महासभा की मासिक पत्रिका माह जून 2019 के पृष्ठ संख्या 32 में श्रीराम गोपाल जांगिड दौसा (राज.) का लेख छपा है कि सफलता के लिए संकल्प जरूरी है अतः शोधकर्ता ने जैसे न्याय के लिए राम भक्त हनुमानजी से संजीवनी बूटी विश्वकर्माधाम ग्राम खरतवासिया में ली है तथा सालासर नहीं जाने का संकल्प ले लिया है। विश्वकर्मा पुराण के अनुसार शोधकर्ता के सालासर नहीं जाने का संकल्प लेकर संजीवनी बूटी वाले हनुमानजी में कितने व्यक्ति आस्था रखते है विश्वकर्माधाम में धर्म की स्थापना में जुडते है। यह जांगिड महासभा का निर्णय होगा। शोधकर्ता दावे के साथ कहता है कि संजीवनी बूटी वाला हनुमानजी अवश्य भला कर सकता है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्चयन्तु माकिश्चित दुःख भाग्भवेत।।

शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक
डॉ. पतराम जाँगिड़ आयुष
विश्वकर्माधाम ग्राम - खरतवासिया
तहसील - तारानगर, जिला - चूरू (राज)
मो... 9460563614

जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि०)

प्रार्थना-पत्र सत्र वर्ष 2019-20

(आर्थिक सहायता के लिए जिस विद्यार्थी ने +2 में वर्ष 2019 में 80% से ऊपर अंक प्राप्त किए है। व केवल वर्ष 2019 में ही किसी कक्षा/कोर्स में दाखिला लिया है, वे ही आवेदन करें।)

(ट्रस्ट से 2018 मे सहायता प्राप्त कर चुके विद्यार्थी जिसने वर्ष 2019 में 80% अंक प्राप्त किये वे भी आवेदन कर सकते है)

1. विद्यार्थी का नाम..2. कक्षा/कोर्स.............................
3. स्थाई पता..
4. पिता का नाम........................5. व्यवसाय.............................6. सालाना आय.......................
7. पिता/माता यदि नौकरी में है तो पद...............................तनख्वाह प्रति माह.......................
8. संस्था का नाम जहाँ पढ़ रहे है.......................................संस्था का दूरभाष नं0.........................
9. पास की गई +2 परीक्षा गत % अंको सहित..

अनुमोदन :– ट्रस्ट के दो आजीवन सदस्य या किन्ही दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा।
मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि विद्यार्थी वास्तव में आर्थिक सहायता का पात्र है।

क्र.सं.	सदस्य/प्रतिष्ठित का नाम	पता	दूरभाष नं0	हस्ताक्षर

मैं शपथपूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि उपरोक्त जानकारियाँ पूर्ण रूप से सत्य है व सही है। इसके लिए मैं जिम्मेवार हूँ। मैं जा0वि0 चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रति निष्ठावान रहूँगा/रहूँगी। सक्षम होने पर ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण करूंगा/करूंगी और आर्थिक सहायता करूंगा/करूंगी।

पिता/संरक्षक के हस्ताक्षर   प्रार्थी के हस्ताक्षर
मो0 ....   मो0 ....

निम्नलिखित दस्तावेज की फोटोप्रति जरूर संलग्न करें :–

1. +2 व ~~पिछली~~ कक्षा की अंक तालिका, 2. जाति प्रमाण पत्र 3. आधार कार्ड 4. दाखिला फीस रसीद, 5. पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, यदि जिन्दा नहीं है। 6. पीला राशन कार्ड यदि है, 7. सैलरी सर्टिफिकेट यदि पिता/माता नौकरी में है।

नियम/शर्तें :–

1. सहायतार्थ विद्यार्थी अपनी कक्षा/कोर्स की छमाही रिर्पोट देगा।
2. आर्थिक सहायता सत्र 2019 के लिए दी जाएगी।
3. यदि कोई विद्यार्थी संस्था के अध्यापक/ट्रस्ट के पदाधिकारी से दुर्व्यवहार करता है या बुरी संगत/आज्ञा उल्लघंन/चोरी/हेरा–फेरी करता पाया गया तो सहायता तुरन्त प्रभाव से रोक दी जाएगी।
4. ट्रस्ट के किसी प्रकार के मसलो में चेयरमैन/शासकीय निकाय का फैसला अन्तिम व ....में होगा।
5. 90 प्रतिशत से ऊपर अंक विद्यार्थियों एवं किसी क्षेत्र में पदक या ख्याति प्राप्त विद्यार्थियों का विशेष सम्मान किया जायेगा।

चेयरमैन : कृष्ण कुमार आसौदा	डिप्टी चेयरमैन : शिवश्याम जांगड़	सचिव : मा. जगदीश शर्मा	कोषाध्यक्ष : श्री अशोक जांगड़
9711333006	9212787487	9871905322	9818119299

नोट : प्रार्थना पत्र 31–10–2019 तक डाक द्वारा/निजि तौर पर चेयरमैन को प्रेषित कार्यालय पहुंच जाना चाहिये। निर्धारित तिथि के बाद प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होंगें।

कार्यालय : म.नं. 3, गली नं. 3, मुबारक कुंज, नियर दीनदारपुर गाँव, नजफगढ़, नई दिल्ली–43

वार्षिक पारितोषिक व छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन
रविवार दिनांक 17 नवम्बर 2019 को किया जा रहा है।
जिसमें आप सभी जांगिड बंधु सपरिवार व ईष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित है।
कार्यक्रम स्थलः– पंचायती श्री राम मंदिर नजदीक पुलिस स्टेशन, नजफगढ, नई दिल्ली–110043

'पाली के समाजसेवी भंवरलाल जांगिड़ (जोपिंग) को अहमदाबाद में ''समाज-रत्न'' से नवाजा।'

विश्वकर्मा पूजा दिवस 17 सितम्बर मंगलवार को अहमदाबाद में विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल द्वारा श्रीमान दिनेशकुमार जांगिड़ 'सारंग', उपायुक्त, कस्टम व जीएसटी, अहमदाबाद के नेतृत्व व मार्गदर्शन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में आयोजित वरिष्ठजन सम्मान समारोह एवं भव्य मोटिवेशनल सेमीनार कार्यक्रम में स्व.मदनलाल जांगिड़ की स्मृति में पाली के सक्रीय समाजसेवी व जांगिड़ समाज के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल जांगिड़ (जोपिंग) को 'समाज रत्न' पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के तहत जांगिड़ को एक चांदी का सम्मान पत्र प्रदान करते हुए इनका साफा व माला पहनाकर बहुमान किया गया। यह पुरस्कार इनकी नि:स्वार्थ सेवा के लिए कृतज्ञता स्वरूप प्रदान किया गया है। पाली के समाजसेवी भंवरलाल जांगिड़ हर क्षेत्र में बहुत ही सक्रीय है और हमेशा किसी भी तरह के समाजसेवा के कार्य मे हमेशा अग्रणी रहते है।

'इससे पूर्व जांगिड़ को यह भी मिल चुके पुरस्कार :-

1. भंवरलाल जांगिड़, पाली को 'जिला प्रशासन पाली द्वारा' वर्ष 1998 में गणतंत्र दिवस पर समाज सेवा (नेत्रदान, नशामुक्ति, रक्तदान व पर्यावरण संरक्षण) के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यो के लिए बांगड़ स्टेडियम पाली के जिला स्तरीय कार्यक्रम में समाजसेवी के रूप में सम्मानित किया जा चुका है।

2. लायंस क्लबस इंटरनेशनल (अमेरिका) द्वारा 'साक्षरता कार्यक्रम' (लिट्रेसी एंड कल्चर) में 'विश्व का द्वितीय पुरस्कार (500 US डॉलर)' जांगिड़ के लियो क्लब पाली के अध्यक्ष कार्यकाल वर्ष 1991 में प्रदान किया गया था। यह पुरस्कार लॉयन्स जगत में पाली ही नही अपितु सम्पूर्ण देश के लिए एक गर्व की बात रही। उस समय विश्व का प्रथम पुरस्कार श्रीलंका को ओर इण्डिया में पाली के जांगिड़ को यह दूसरा पुरस्कार मिला था।

3. जांगिड़ को पिंजरापोल संस्था, हुबली (कर्नाटक) द्वारा वर्ष 2011 में 'करुणा सागर सम्मान-2011' से नवाजा गया था।

4. जांगिड़ को फ़िल्म अभिनेता व सांसद स्व. सुनीलदत्त, मुम्बई द्वारा दिनाक 23.12.1989 को पाली में समाजसेवा के लिए सम्मानित किया गया था।

5. समरसता फोरम, जयपुर द्वारा 'समरसता उत्साहवर्धन सम्मान' से नवाजा गया था।

6. लायंस डिस्ट्रिक्ट के बेस्ट सर्विस अवार्ड 2009, 2011, 2014 व 2000 में लगातार प्रदान किये गये।

7. लायंस डिस्ट्रिक्ट द्वारा वर्ष 2001-02 में 'सर्वश्रेष्ठ सचिव' का पुरस्कार प्रदान किया गया था।

8. लायंस क्लब पाली के बेस्ट अध्यक्ष का अवार्ड प्रदान किया गया।

9. पाली रॉयल जूनियर द्वारा भी सम्मानित किया गया।

10. समाजसेवी भंवरलाल जांगिड ने लियो व लायंस के क्लब, संभाग, प्रान्त, मल्टीपल व इंटरनेशनल स्तर तक के अनेको अवार्ड हासिल किए जिसमे सत्र 1985 से 1988 तक लगातार 100 प्रतिशत उपस्थिति अवार्ड, 1988-89 में लियो अवार्ड ऑफ ऑनर, 1991-92 में 100 प्रतिशत लियो प्रेसिडेंट अवार्ड सहित रक्तदान, नेत्रदान, नशामुक्ति, शिक्षा, चिकित्सा, योग आदि कार्यक्रमो के लिए समय समय पर पुरस्कृत किया गया।

'जांगिड़ की समाज सेवा में विशेष योगदान व उपलब्धियां निम्नानुसार है :- '

- रक्तदान, नेत्रदान, देहदान, मेडिकल केम्प, पर्यावरण, नेत्र जांच व शल्य चिकित्सा शिविरों सहित पाली शहर के तीन हजार से भी अधिक विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण आदि कार्यो में अहम योगदान रहा।
- पाली में लायंस क्लब के माध्यम से फ़िल्म स्टार सुनीलदत्त, शशिकपूर, हेमामालिनी, दिनाक 14.04.1985 को पाशर्वगायक नितिन मुकेश, शब्बीर कुमार, पंकज उदास जैसे फ़िल्म अभिनेताओं व गायक कलाकारों के साथ-साथ दिनाक 01.03.1992 को बंकीम पाठक नाईट व कवि सम्मेलन के आयोजन में अहम भूमिका व योगदान रहा।
- दिनांक 18.01.1994 को आल इंडिया रेडियो आकाशवाणी जोधपुर द्वारा 'साक्षरता कार्यक्रम' पर रिकार्डिंग कर दिनांक 10.03.1994 को प्रात: 10 बजे इसका प्रसारण किया गया था।
- समाज स्तर पर इन्होंने अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली, प्रदेशसभा जयपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए जयपुर, अजमेर, ब्यावर, कोटा, जोधपुर, मुम्बई, बडौदा, पूना, अहमदाबाद, हुबली, ग्वालियर, मन्दसौर, बाड़मेर, बालोतरा, आबूरोड, सांचोर, भीनमाल, जालोर, सिलवा, नोखा, सीकर, नागौर के सामाजिक कार्यक्रमो में अनेको बार भाग लिया ।

आपने अपने पिता स्व. श्री मूलाराम जी की प्रेरणा से समाज स्तर पर सबसे पहले वर्ष 1981 में जांगिड़ समाज पाली के प्राचीन श्री विश्वकर्मा मन्दिर कमेटी के कोषाध्यक्ष के रूप में समाज मे कार्य करने की शुरुआत की। उसके बाद कई वर्षो तक समाज के भी कोषाध्यक्ष रहे। वर्ष 2000 से लम्बे समय तक समाज के मंत्री सहित कई पदों पर रहे।

- दिनाक 15.04.2016 को इन्हें समाज का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इनके कार्यकाल में श्री विश्वकर्माजी के प्राचीन मन्दिर का जीर्णोद्धार पूर्ण करवाकर तीन दिवसीय भव्य प्राण-प्रतिष्ठा देश मे नोटबन्दी के समय मे भी भव्यतापूर्वक सम्पन्न हुई। इन सभी कार्यो पर करीब 38 लाख रुपये व्यय हुआ, जसके लिए समाज की जमा एफडीआर बैंक से नही उठाई गयी।
- दिनाक 11 जून 2017 को समाज मे शिक्षा के प्रति जागरूकता हेतु एक भव्यतम कॅरियर गाइडेंस व प्रतिभा सम्मान का अपने आप मे एक अलग तरह का शानदार व ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन करवाया।
- दिनांक 20 अगस्त 2017 को पाली में करीब 1.50 करोड़ से भी अधिक की लागत के छात्रावास निर्माण हेतू नींव रखकर शिलान्यास सम्पन्न करवाया गया।

इस प्रकार इनके द्वारा समाज के कार्यो के प्रति समर्पण, सच्ची लगन, मेहनत, ईमानदारी, दर्दतापूर्वक, अपना पूरा समय समाज के कार्यो में देते हुए पूर्ण करवाये ।

समाजसेवी भंवरलाल जांगिड़ (जोपिंग) राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, पाली में अधिकारी के पद पर कार्यरत है। ये लायन्स क्लब पाली, लियो क्लब पाली व जांगिड़ समाज पाली के अध्यक्ष व लियो काउन्सिल पूरे राजस्थान व मध्यप्रदेश के सचिव रह चुके है। वर्तमान में ये आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, पाली चेप्टर के सह सचिव, दिव्यांग सोसायटी पाली के उपाध्यक्ष, पाली अधिकमास परिक्रमा समिति के सहकोषाध्यक्ष, रामलीला कमेटी पाली की कार्यकारी सदस्य के अलावा अन्य कई समाजसेवी संस्थाओं के सक्रीय सदस्य है। ऐसे समाजसेवी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति को समाजरत्न पुरस्कार से सम्मानित होने पर हमारे पूरे जांगिड़ समाज को गर्व है।

सम्पादक

विश्वकर्मा पूजा दिवस पर हुआ
यज्ञ का आयोजन की पूजा अर्चना

बाड़मेर। शिल्पाचार्य भगवान विश्वकर्मा का मंगलवार को विश्वकर्मा पूजा दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम संयोजक अशोक मांडण ने बताया कि शिल्पाचार्य भगवान विश्वकर्मा दिवस मनाया गया। सरदारपुरा स्थित विश्वकर्मा मंदिर में इस अवसर पर यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के लोगों ने अपनी आहुतियां दी। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने सत्संग किया। कारपेन्टर भाईयों ने अपने औजारों की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने समाज विकास पर चर्चा की। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर देवाराम ब्रह्मक्षत्रिय, लूणकरण धीर, प्रभुदयाल धीर, किशनलाल धीर, राजेन्द्र बरड़ुआ, जांगिड़ महिला मंडल की अध्यक्ष मगी देवी, पार्षद निर्मला जांगिड़ आदि उपस्थित रहे।

अशोक मांडण
कार्यक्रम संयोजक आयोजन समिति
मो.नं. 9928129109

''हींसला ग्राम की पायल जांगिड अमेरिका से चेंजमेकर बनकर लौटी''

समस्त जांगिड ब्राह्मण समाज के लिए गौरव की बात है कि ग्राम, पंचायत सालेटा तह. थाना गाजी जिला अलवर(राज.) की पायल जांगिड सुपुत्री श्रीमती राजो देवी एवं श्री पप्पू जांगिड को न्यूयार्क अमेरिका में चेंजमेकर के सम्मान से सम्मानित की गई, जिसने पिछले 5-6 वर्षो से अपने गांव के आस पास के क्षेत्र में 15 वर्ष तक की बालिकाओं का एक ग्रुप बनाकर बाल विवाह, बाल श्रम जैसी कुरीतियों के उन्मूलन हेतु एक ऐसा अभियान चलाया हुआ है। जिसका असर पूरे देश में देखने को मिला है। जिससे प्रभावित होकर 'बाल आश्रम संस्था विराटनगर' की सेक्रेटरी श्री परोमा भट्टाचार्य व हैड श्री कैलाश सत्यार्थी जी के सानिध्य में इन्हें चेजमेकर के सम्मान से सम्मानित किया गया, जिससे पूरे जांगिड समाज में खुशी की लहर दौड़ गई जिससे पायल जांगिड जी को अनेकों सामाजिक मंचों पर सम्मानित किया जा रहा है। पायल ने कहा कि हर लडकी का सम्मान हो।

अमेरिका में सम्मान के समय ऐसा लगा मानो उन सबको सम्मान हो रहा है जिनका बाल विवाह रूका है। पायल जांगिड ने ग्रामीणों को बाल विवाह और बाल श्रम नहीं कराने की शपथ भी दिलवाई।

महासभा की ओर से पायल जांगिड को बहुत बहुत हार्दिक बधाई।

महामंत्री
महासभा

आओं जलायें – मन का दीप

सुखी रहना हर मनुष्य चाहता है और खुश रहने के लिये वह कोई ना कोई उपाय करता ही रहता है । एक साथ जीवन के सभी पहलुओं को छूने वाला उत्सव ही हमारे सुख की चाहत को पूर्ण कर सकता है और वह खुशी केवल भारतीय संस्कृति के पर्वो में है । पर्वो की श्रृंखला में दीपावली ही एक ऐसा त्यौहार है जो पांच दिन तक मनाया जाता है । यह त्यौहार हमारे जीवन में जगमग दीपों की कतार के साथ उमंग, उल्लास, सुख-चैन व अमन लेकर आता है तथा साथ ही घर आंगन को निर्मल व मंगलमय बनाता है ।

दीपावली दीपों का त्यौहार है, दीपावली के इस त्यौहार में दीप की रोशनी का अपना अलग ही सम्मोहन है । एक जलता हुआ दीप स्नेह बिखेरता है । हर्ष और उल्लास लुटाता है। तथा रिश्तों की लौ को महकाने का संदेश देता है । एक दीप की ज्योति अंधेरे में आलोक ले जाती है, जहां कहीं अंधेरा हो । दीप की टिम - टिमाती रोशनी मन में एक विश्वास पैदा करती है और बाहर ही नहीं भीतर के मन को भी आलोकिक कर जाती है । खुद जलकर दीप दूसरों के जीवन में खुश रहने की प्रेरणा देता है । अन्याय पर न्याय की विजय के आलोक का पर्व है – दीपावली ।

समय के साथ बदलाव प्रकृति का नियम है । इसलिये दीपावली पर पुरानी वस्तुओं को नये में बदलने की मुहिम छिड़ जाती है । इस बदलाव ने माटी के दीप का स्वरूप बदल दिया है । हर दीपावली पर दीप तो जलता है पर, अपने नये स्वरूप में । नित नये प्रयोगों के चलते अनेक रूप एवं आकृति के दीप देखने को मिल रहे हैं । पर जिस सौंदर्य बोध को मिट्टी का दीप रचता है वह अन्य नहीं मिल सकता । दीप के स्वरूप में बदलाव के परिपेक्ष्य में यह कहना समीचिन होगा कि पाश्चात्य संस्कृति के चलते हम भी अपने रीति – रिवाजों संस्कृति एवं परंपराओं को भूलते जा रहे हैं । जिसका खामियाजा संयुक्त परिवार में बिखराव, कन्या भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार, नैतिक पतन तथा आपसी रिश्तों में कड़वाहट के रूप में भुगतना पड़ रहा है ।

प्रत्येक वर्ष दीपावली पर्व पर साफ-सफाई एवं रंग-रौगन तथा सैकड़ो दीप जलाने के बाद भी सामाजिक कुरीतियां, अशिक्षा, आलस, बेकारी, विषमता, मंहगाई तथा मिलावट का अंधकार गहराता ही जा रहा है । दैहिक, दैविक तथा भौतिक सभी प्रकार के तापों से हम दुखी हो रहे हैं । ऐसे में जरूरत है सदियों पुराने हमारे शील, आचार, विचार और हुनर तथा भारतीय मन को बदलने की, जो मलीन हो गया है तथा नित नये घोटाले कर रहा है । प्रतिदिन जीवन की हलचल उजाले से होती है और अंधेरा उस हलचल को थाम देता है । ऐसे में दीपक ही हमें अंधेरे से उजाले के बीच गहन अंतर की दृष्टि प्रदान करता है ।

पंच भौतिक तत्वों से बने सहनशीलता के भण्डार दीपक से पंचभौतिक तत्वों से बने मनुष्य को प्रेरणा लेनी चाहिए । दीपावली पर दीप जलाने का उद्देश्य मात्र त्यौहार मनाने से नही वरन सम्पूर्ण वातावरण को शुद्ध एवं पवित्र बनाने से हैं । यह तो सब जानते हैं कि त्यौहारों की श्रृंखला दीपावली पर घर को नए घर की तरह सजाया जाता है परन्तु इस दीपावली हम उन दीपों को जलाये जो उजले संकल्पों से कृत संकल्पित हो । दीपो के साथ-साथ हम मन की रोशनी को भी जलाये तथा इसे भी बदलने का प्रयास करें ।

दीपक लौ भले ही छोटी हो पर उसके आस-पास सुरक्षा का घेरा और हाथों का कवच हो, तो एक छोटी सी लौ भी आगे चलकर बड़े से बड़े साम्राज्य को उद्धवस्त कर सकती है । यदि एक छोटी सी लौ कोई बड़ा कार्य कर सकती है तो हम क्यों नही । आवश्यकता है, अपने भीतर के रावण को मारकर राम को जीवित रखने की । तो आओ जलाये मन का दीप और पहचाने अपने भीतर की लौ को । उससे प्रेरणा लेकर घौर संघर्ष में भी इस लौ से नई रोशनी प्राप्त करें तथा ''तमसो माँ ज्योतिर्गमय'' को भली भांति समझ उत्साह का संचार करें और मनाये दीपावली हर्षोल्लास से ।

दीपोउत्सव की शुभकामनाओं सहित .... ।

प्रवीण शर्मा, नीमच

उपप्रधान महासभा

समाज में बदलता स्वरूप

देश-दुनिया के साथ हमारा समाज भी तेजी से बदल रही है। अरस्तु ने कहा था कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। हम समाज के साथ जीते भी हैं। इसके विपरीत इसका दूसरा पहलू यह भी है कि समाज का एकाकीपन हमारे अंदर नीरसता भी पैदा करता है। दुनिया भर में आ रहे बदलाव का असर भारत के जनजीवन पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। आज हम विकासशील देश की अवस्था से निकलकर विकसित देश की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इस बदलाव के दौर में हमारा सामाजिक ताना-बाना भी कमजोर होता दिखाई दे रहा है, देश और समाज में हो रहे बदलाव के इस दौर में आज हम यह सोचने को मजबूर हैं कि क्या आज हमारा समाज टूटन का शिकार नहीं हो गया है? समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया तो यह निश्चय ही विघटनकारी होगा समाज के प्रबुद्ध जनो को इस पर विचार करना होगा ।

बाबू लाल रोहिलीवाल
(सेवानिवृत् प्राध्यापक)
मकराना (नागौर), 9887219964

रिश्तों की टूटती हवा आंधी ना बनें

जीवन की आपाधापी, रोज़गार के कम होते अवसर और अपनों से दूर होते लोगों के बीच आज जो सबसे घायल अवस्था मे है वो है आपसी विश्वास।विश्वास ही रिश्तों को मजबूती देता है।अगर वही कम होगा तो इंसानी रिश्ते मजबूत कैसे होंगे। हमे अपने संस्कार एवं परम्परायें याद रखनी होगी। संयुक्त परिवार के महत्व को समझना होगा ताकि रिश्तों की टूटती हवा आंधी ना बने और हमारी आने वाली पीढ़ी को हम बता सके कि हाँ हमने आपके लिए सुखी, समृद्ध, सम्पन्न समाज छोड़ा है।

रामकुमार हर्षवाल
(ब्रांच मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा)
पाली (राजस्थान), 9549605056

श्रीमती एवं श्री वेद प्रकाश आर्य द्वारा अपने स्व. पुत्र की पुण्य स्मृति में विश्वकर्मा भवन के प्रथम मंजिल में निर्माण करवाकर विश्वकर्मा जयंति 2019 को समाज को समर्पित किया।

श्रीमती लाड़बाई एवं श्री वेद प्रकाश आर्य सुपुत्र स्व. पं. रामेश्वर प्रसाद वैदिक व स्व. श्रीमती दाखा देवी गोठड़ीवाल निवासी भगवतगढ़ द्वारा अपने स्व. पुत्र पुष्पेन्द्र की पुण्य स्मृति में 202551/- रू. की लागत से श्री विश्वकर्मा आश्रम के प्रथम मंजिल के फर्श का निर्माण करवाया तथा विश्वकर्मा ज्यंति 2019 के पावन अवसर पर लोकार्पण कर समाज को समर्पित किया।

आर्य समाज वैशाली नगर जयपुर में अथर्ववेद परायण यज्ञ में पूर्णाहूति के अवसर पर उन्होंने आर्य समाज एवं वैदिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करने हेतु अपने पुत्र की स्मृति में 51000/- रू. का सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर आपको सम्मानित भी किया गया।

सम्पादक

मकराना में विश्वकर्मा पूजन दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया गया

मकराना में विश्वकर्मा पूजन दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर विश्वकर्मा जांगिड़ नवयुवक मंडल के अध्यक्ष उमाशंकर बोदल्या ने बताया कि विश्वकर्मा पूजन दिवस के बारे में जांगिड़ समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति बाबूलाल जी रोहिलीवाल, रामाकिशन लदौया, कन्हैयालाल सिलक ने विश्वकर्मा पूजन दिवस के बारे में काफी जानकारी दी । विश्वकर्मा पूजन दिवस पर विश्वकर्मा जी के औजारों की पूजा की गई । विश्वकर्मा पूजा के मुख्य यजमान अरुण जांगिड़ थे और अरुण जांगिड़ द्वारा पूजा की गई। ये विश्वकर्मा पूजन दिवस मकराना में पहली बार आयोजन किया गया । और इसी के साथ विश्वकर्मा जांगिड़ नवयुवक मंडल मकराना की ड्रेस कोड का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर विश्वकर्मा मंदिर मकराना के अध्यक्ष दीपक जी राजोतिया , गणपत लाल जी जांगीड़ , ज्ञानेरन्द्र जी जांगीड़,विश्वकर्मा जांगिड़ नवयुवक मंडल के सचिव वेदप्रकाश जांगीड़, कोषाध्यक्ष गिरीश कुमार जांगिड़,राकेश जी जांगिड़, हिमांशु जांगिड़, भरत जी जांगिड़, भंवरलाल जी शर्मा पनेर वाले ,अमरचन्द जी जांगिड़ एडवोकेट, दीपक जांगिड़, आदित्य जांगिड़ ,कैलाश जांगिड़ ,प्रदीप जांगिड़ ,किशोर जी जांगिड़ सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

उमाशंकर बोदल्या, मकराना, 9461314959

श्री बजरंग लाल जी शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेशसभा के "प्रदेशाध्यक्ष" निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दिनांक 25.08.2019 रविवार को रायपुर में भरे गये । निर्धारित समय में दो नामांकन पत्र प्राप्त हुए जिसमें एक नामांकन पत्र निरस्त हुआ । दूसरा श्री बजरंग लाल जी शर्मा का सही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ । इस प्रकार केवल एक ही नामांकन वैध व सही होने के कारण श्री बजरंग लाल जी शर्मा पिता स्व. श्री घीसालाल जी शर्मा निवासी दुर्ग को छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा का प्रदेशाध्यक्ष (अगस्त 2019 से 2022) निर्वाचित घोषित किया जाता है ।

बधाई .... यशस्वी कार्यकाल की अनन्त शुभकामनाओं सहित

मखनलाल जांगिड

देवीलाल जांगिड
चुनाव अधिकारी छत्तीसगढ़

सीकर में विश्वकर्मा दिवस पर विशाल समारोह सम्पन्न

श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस पर सामुदायिक भवन सीकर में आयोजित एक विशाल समारोह में हजारों समाज बंधुओं ने एक साथ प्रण लिया की समाज में बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा और समाज में व्याप्त कुरूतियों का खात्मा, एकजुट होकर किया जाएगा समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी गंगाधर जी गोडिया की अध्यक्षता एवं प्रभु दयाल जी बरनेला, इंदौर के मुख्य आतिथ्य में सम्मानित समाज बंधुओं के अलावा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन सीकर के अध्यक्ष गोयल साहब एवं उनकी कार्यकारिणी के अन्य साथी भी मौजूद रहे। पूर्ण विधि विधान से श्री विश्वकर्मा पूजा के बाद समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि व कल्याण समिति अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलन हुआ। तत्पश्चात सामूहिक आरती से समारोह का माहौल पूर्णतया धार्मिक एवं ऊर्जावान बन गया। कल्याण समिति के मंत्री सांवरमल जी लदोया के स्वागत भाषण के बाद समिति के कोषाध्यक्ष रामकृपाल जी लालासी ने कल्याण समिति के पिछले साल का लेखा जोखा व आगे की कार्यनीति पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जो सभा द्वारा हर्षध्वनि से पारित किया गया।

समाज के ओजस्वी वक्ता कांग्रेस प्रदेश कमेटी सदस्य श्री विजय कुमार जी जांगिड, जयपुर ने अपने उद्बोधन में समाज को एकजुट होकर कदम से कदम मिलाकर चलने का आह्वान किया। जो कि राजनीतिक मुकाम हासिल करने के लिए भी जरूरी है। प्रभुदयालजी बरनेला इंदौर ने श्री रविशंकर जी प्रधान महासभा दिल्ली की ओर से शुभकामना देते हुये समाज की कई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और अन्य वक्ताओं ने भी विश्वकर्मा भगवान के बारे में प्रकाश डालते हुए समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पत्रकार पशुपति शर्मा ने कल्याण समिति के एस के हॉस्पिटल में वार्ड की सेवा, विकलांग शिविर, विश्वकर्मा पार्क की देखभाल व आज के सफल रक्तदान शिविर व अन्य जनकल्याण योजनाओं के लिये भूरी भूरी प्रशंसा की।

इस अवसर पर करीब सवासौ मेधावी बच्चे बच्चियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल किए। एवं 35 युवाओं जिन्होंने आज रक्तदान शिविर में रक्तदान किया उनको भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समाज की होनहार बालिका अनुसूया खाती पुत्री श्री राजेश जांगिड पौत्री स्व. मामराजजी जांगिड, समाजसेवी कायमसर (फतेहपुर) निवासी का भी समारोह में स्वागत किया गया। अनुसूया जांगिड दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज की छात्रा है और अभी कॉलेज में स्पोर्ट्स अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुई है।

इसके बाद समाज की स्मारिका 2019 का विमोचन सम्मानित मंच द्वारा तालियों कि गड़गड़ाहट के बीच किया गया । स्मारिका में कल्याण समिति के उद्देश्य एवं कार्यों की जानकारी , सामाजिक लेख ,

धार्मिक लेख आदि का संकलन शानदार किया गया है। सभी आगंतुकों को स्मारिका वितरित की गई। समाज में महिला शक्ति की बढ़ती भागीदारी को सभी ने सराहा एवं इसे जागरूक समाज की पहचान बताते हुए कहा जांगिड़ ब्राह्मण समाज काफी जागरूक हो रहा है और निश्चित तौर पर प्रोग्रेस करेगा।

श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति - सीकर द्वारा जनहित एवं समाज हित के मुख्य निम्न कार्य किये गये हैं रू - झुंझुनू - जयपुर बाईपास स्थित शगुन विवाह स्थल में श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर द्वारा आयोजित विशाल विकलांग सहायता शिविर का शुभारंभ दि. 28 जून 2001 को सीकर जिला कलेक्टर श्रीमान धर्मेंद्र जी भटनागर व दातारामगढ़ के विधायक श्रीमान अमराराम जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। तथा 30 जून को समापन समारोह में मुख्य अतिथि सीकर जिला कलेक्टर श्रीमान धर्मेंद्र जी भटनागर साहब ने शिविर के सफल आयोजन पर विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर की भूरी भूरी प्रशंसा की।

श्री कल्याण अस्पताल के आई.सी.यू. वार्ड एवं मेल मेडिकल वार्ड का सफल संचालन में सहयोग। ज्ञात रहे समिति ने {पिछले 4 वर्षो से} दिनांक - 26 जनवरी 2016 से राजकीय कल्याण हॉस्पिटल - सीकर में आई.सी.यू. वार्ड एवं मेल मेडिकल वार्ड को गोद ले रखा है।

श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति द्वारा तात्कालिक कलेक्टर महोदय के आग्रह पर मेडिकल वार्ड के फनऍचर के रंग रोशन वह गद्दो की व्यवस्था की गई।श्री विश्वकर्मा ग्रीन पार्क सीकर का लोकार्पण व सामाजिक सम्मेलन समिति के द्वारा इंडस्ट्रीज एरिया रिको में श्री विश्वकर्मा भगवान के पूजा दिवस 17 सितंबर 2016 को पूर्ण विधि-विधान और समारोह पूर्वक किया गया । पार्क लोकार्पण उद्यमी संघ के अध्यक्ष श्रीमान कुंदन मल जी गोयल की अध्यक्षता एवं पिछड़ा कल्याण निगम हरियाणा के चेयरमैन श्रीमान रामचंद्र जी जांगड़ा व सीकर के विधायक श्रीमान रतनलाल जी जलधारी के मुख्य आतिथ्य में शानदार रूप से सम्पन्न हुआ। श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर की प्रेरणा से श्री कल्याण अस्पताल में निम्न प्रकार से समाज के भामाशाहों के द्वारा आवश्यक उपकरण सामग्री दान स्वरूप भेंट की गई:-

श्रीमान मुकन्दाराम जी जांगिड के द्वारा 40,000/- का फनऍचर दान स्वरूप भेंट किया गया ।

श्रीमान रामगोपाल जी जांगिड, पूरां छोटी के द्वारा एक आर. ओ. {शुध्द पानी के लिए} भेंट किया गया ।

श्रीमान ब्रह्मदत्त जी जांगिड {बरवाड़िया} द्वारा ई.सी.जी. मशीन भेंट की गई।

श्रीमान सत्यनारायण जी जांगिड {बरवाड़िया} द्वारा सक्सन मशीन भेंट की गई ।

श्रीमान महेंद्रकुमार जी सुपुत्र श्री झाबरमल जी जांगिड कटराथल द्वारा एक ए.सी.भेंट किया गया ।

श्रीमान ओमप्रकाश जी जांगिड पुरोहितों की ढाणी द्वारा 3 बी.पी.इंस्ट्रूमेंट भेंट किया गया।

मंत्रीजी द्वारा यह भी घोषणा की गई कि अब समिति को आयकर विभाग से 80 प्रतिशत और 22 प्रतिशत का प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है , जिसके आधार पर दानदाताओं द्वारा समिति को दिये गये दान स्वरूप राशि पर आयकर में छूट मिल सकेगी ।

अंत में अध्यक्ष जी ने दूर दूर से पधारे समाज बंधुओं सहित सभी आगंतुकों का आभार प्रकट करते हुए सबको धन्यवाद ज्ञापित किया । इस समारोह में विशिष्ट अतिथि सर्वश्री मातादीनजी बरनेला जिला सभा

अध्यक्ष इंदौर, चिरंजीलालजी जांगिड जिला युवा अध्यक्ष इंदौर, सत्यनारायणजी जांगिड समाजसेवी नेता इंदौर, भंवर लालजी सुठोठ अध्यक्ष चेतना मंच सीकर, शंकरलालजी लदोया, कुंदन मलजी गोयल अध्यक्ष उद्यमी संघ रीको सीकर, निर्मलजी खेतान अध्यक्ष सीकर जिला विकास समिति, ओम नारायणजी जांगिड नीमकाथाना, गजानंद जांगिड़ पूर्व सरपंच नीमका थाना, हरिरामजी जांगिड़ पूर्व सरपंच सनवाली, बबीताजी जांगिड़ सरपंच सामी शेशम, सागरमलजी जांगिड कोलीडा, उपाध्यक्ष जिला सभा सीकर, भंवरलालजी चोयल पूर्व अध्यक्ष कल्याण समिति, राधेश्यामजी जांगिड रेनवाल, सुभाषचंद्रजी चारा का बास, बजरंगलालजी बसावा, खयालीरामजी खण्डेला, रतनलालजी गढ़तकनेट, मोहनलालजी रींगस, जगनराम जी फतेहपुर, बालचंदजी डाबला, रामेश्वरजी दांतारामगढ़, ओमप्रकाशजी चुडोली पूर्व सरपंच, सीतारामजी उदयपुरवाटी, मनोहरलालजी रोसावां, बशेश्वरलालजी नवलगढ़, बाबूलालजी पूर्वप्रचार्य, विश्वनाथजी पनलावा, नंदकिशोरजी ठिकरिया, रामदेवजी चिराना, हरिनारायणजी चला, चौथमलजी झडाया आदि भी उपस्थित रहे।

मंच संचालन राधेश्यामजी मांडण, कन्हैयालाल जी सांवलोदा व प्यारेलालजी शिशुरानोली द्वारा किया गया। कई महत्वपूर्ण चर्चाओं के साथ खुशनुमा माहौल में चली सभा अंत में स्वादिष्ट भोजन प्रसादी के बाद सम्पन्न हुई।

सांवरमल जांगिड (सेवानिवृत्त लेखाधिकारी)
मंत्री श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति, सीकर

बर्दाश्त करना सीखलो

जिन्दगी में चाहते हो तुम भी कुछ करना अगर
सूत्र यही कि अपनों को बर्दाश्त करना सीखलो
मत करो बरबाद वक्त कभी बेकार की बातों में
वक्त की कीमत का कुछ एहसास करना सीखलो
और अगर इच्छा हो मन में मान की सम्मान की
स्वयं से पहले औरों का सम्मान करना सीखलो
इससे आगे भी बहुत कुछ कहने को बाकी यहां
बस बुजुर्गों की बताई राह पर चलना सीखलो
मंजिल से आगे की मंजिल पाना गर चाहो कभी
जानते हो जो भी कुछ, आत्मसात करना सीखलो

चन्द्रपाल भारद्वाज, महामंत्री

विशेष सूचना

दिनांक 4 अगस्त 2019 को महासभा की त्रैमासिक मींटिग इन्दौर में लिए गये निर्णय के अनुसार महासभा के पत्रिका सदस्यों से निवेदन किया जाता है कि महासभा के जिन सदस्यों को नवम्बर 2019 के बाद जांगिड ब्राह्मण पत्रिका की प्रतिलिपि जिसको चाहिए वे महासभा को निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार अपना लिखित आवेदन करें ताकि उन्हें पात्रिका की प्रतिलिपि भेजी जा सके। बाकी सभी सदस्यों को जांगिड ब्राह्मण पत्रिका सोशल मीडिया जैसे- व्हाटस-अप, फेसबुक, ई-मेल और वेबसाइट आदि पर उपलब्ध कराई जायेगी।

अतः जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के सभी सदस्यों से सादर पुनः निवेदन किया जाता है कि जो सदस्य पत्रिका की प्रतिलिपि मंगवाने के इच्छुक है। वें निम्नलिखित प्रपत्र को पूरा भरकर महासभा कार्यालय 440 हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक दिल्ली-110006 में नवम्बर माह के पहले पहले भेजने की कृपा करें ताकि सभी इच्छुक सदस्यों को पत्रिका भेजी जा सके। यदि प्रपत्र भरकर महासभा कार्यालय में नही भेजा गया तो पत्रिका न मिलने की जिम्मेदारी स्वयं सदस्य की होगी । धन्यवाद!

चन्द्रपाल भारद्वाज, महामंत्री महासभा

जांगिड ब्राह्मण पत्रिका की प्रतिलिपि मंगाने हेतू प्रपत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधान जी महोदय

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

महोदय,

मेरा निवेदन कि मै सोशल मीडिया जैसे- व्हाटस-अप, फेसबुक, ई-मेल और वेबसाइट आदि का प्रयोग नही कर पाता। अतः मुझे मेरे निम्न पते पर मेरी जांगिड ब्राह्मण पत्रिका भेजने की कृपा करें।

नाम : ....

पिता का नाम : ....

सदस्यता संख्या : ....

वर्तमान पता : ....
: ....
: ....

मोबाईल नम्बर : ....

सधन्यवाद

हस्ताक्षर..............................

नामः..................................

सच्चा त्याग सुख देता है

''मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है तेरा। तेरा तुझ को सौपूंगा क्या लागे मेरा।।'' यह वाक्य हमें सिखाता है त्याग करना। त्याग हर व्यक्ति से नहीं किया जाता है और त्याग ना ही हर व्यक्ति कर सकता है त्याग का केवल महान आत्माएं ही कर सकती है। मानवीय गुणों में त्याग का ऊंचा स्थान है और किया हुआ सच्चा त्याग हमें सुख देता है। परन्तु त्याग वृत्ति विरले लोगो में ही पाई जाती है। ''त्याग करना'' कहना जितना आसान है त्याग करना उतना ही कठिन है। त्याग अनेक वस्तुओं का हो सकता है यथा धन, भोजन, मकान, कपड़ा पद त्याग आदि। त्याग का क्षेत्र अत्यन्त विशाल है। त्याग को सही अर्थो में जिन ने समझ लिया है कि वे महापुरूष बन गये है। वे सभी प्रकार के सुखों से दूर रहे है।

''श्रेय के लिए मनुष्य को सब कुछ त्याग करना चाहिए'' ये वाक्य कहे है श्री जयशंकर प्रसाद ने दूसरे शब्दों में महाभारत में कहा गया है ''भय नहीं अपितु प्रेम ही सच्चे त्याग का स्त्रोत है तथा के समान कोई सुख नहीं है'' अपरिग्रह, असंग्रह भी त्याग के पर्याय माने गये है। जगदीश चन्द्र बोस कहते है त्याग तथा उपलब्धि एक ही सिक्के के दो पहलू है। दीप शिखर अपना अंग जलाकर भी जन साधारण को प्रकाश उपलब्ध करवाती है इनसे शिक्षा ग्रहण करें एवं त्याग की प्रवृति को अपनाएं।

संग्रह को अनर्थ की जड़ कहा जाता है त्याग एवं दान देकर इस अनर्थ से बचा सकता है। दान करना उत्तम प्रवृति है लेकिन बिना नाम किये दान करना और भी उत्तम कार्य है। त्यागवृति एक कठिन कार्य है संयमी लोग ही इस कठिन कार्य को सम्पन्न कर सकते है। चीनी जीवन दर्शन के अनुसार जो जितना अधिक त्याग या दान करेगा समाज में उतना ही अधिक सम्मान उसे मिलेगा। दधीचि ने अस्थि त्याग किया। राम ने राज्य का त्याग किया। बुद्ध ने परिवार त्याग किया। राजा अशोक ने शस्त्र त्याग कर आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। जीवन में त्याग से बढ़कर कुछ नहीं जिन्होंने इस सत्य को समझ लिया उन्होंने वास्तविक सुख को पा लिया है। त्याग वृति के लोग अपनी इन्द्रियों पर संयम रखते हुए त्याग करते है।

वेद व्यास जी कहते है कि कुल की रक्षा के लिए मनुष्य का, ग्राम की रक्षा के लिए कुल का, देश की रक्षा के लिए ग्राम का, तथा आत्मा की रक्षा के लिए पृथ्वी का त्याग कर देना चाहिए।त्याग के बिना परमात्मा नहीं मिलते,त्याग के बिना निर्भय होकर नहीं जी सकते,इसलिए सब कुछ त्याग कर मनुष्य को सुखी हो जाना चाहिए।

आधुनिक समय में अर्थ का महत्वपूर्ण स्थान है लोग धन को बहुत महत्व देने लग गये है। भौतिक सम्पदा का अनाप-सनाप ढंग से संग्रह कर रहे है जो समाज के लिए उत्तम वृति नहीं कहा जा सकता है। परन्तु धन ही सब कुछ हो यह दृष्टिकोण अवांछनीय है। अर्जन के साथ विसर्जन भी आवश्यक है। नहीं तो जिस तरह पानी महत्वपूर्ण तो है, लेकिन अधिक समय तक उसको रोके रखना बदबू पैदा कर देता है। विसर्जन का अर्थ होता है त्याग करना धन के स्वामित्व का त्याग ही विसर्जन है। बाहर और भीतर जितनी भी वस्तुएं है जो व्यक्ति के मन को फंसायें रखती है इनके छोड़ने का प्रयास प्रत्येक व्यक्ति को दूसरे के हित के लिए करना चाहिए जो व्यक्ति को दूसरे के हित के लिए करना चाहिए यही सच्चे अर्थो में त्याग है। प्रत्येक मनुष्य को अपनी क्षमता के अनुसार चाहे धन हो, चाहे वस्त्र हो,भूखों को भोजन उपलब्ध करवाना, प्याऊ लगवाना, किसी भी वस्तु को दूसरों के हितार्थ किया गया दान त्याग कहलाता है दैनिक जीवन की वस्तुओं को सीमित मात्रा में रख कर त्याग की भावना का विकास किया जा सकता है। जहां तक हो सके हम सही अर्थो में त्याग करना सीखे। सच्चा त्याग सुख देना है मनुष्य को ऊँचा उठाता है।

रोहिताश्व जांगिड
से.नि.अध्यापक कोटपूतली-7727838999

लादूराम शर्मा (जांगिड) पुनः बने दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली द्वारा जारी चुनाव विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली पद हेतु दिनांक 3 अक्टूबर 2019 गुरूवार को नामांकन प्रक्रिया महासभा कार्यालय 440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक दिल्ली पर सम्पन्न हुए। निर्धारित समयानुसार प्रातः 10:00 बजे से मध्यान 2:00 बजे तक नामांकन पत्र वितरण हुए एवं प्रस्तुत हुए जिसके अन्तर्गत मात्र एक नामांकन प्राप्त हुआ जिसकी जांच करने पर सही पाया गया। इस आधार पर लादूराम शर्मा जी निवासी खानपुर दिल्ली को प्रदेशअध्यक्ष दिल्ली के पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव अधिकारियों द्वारा निर्वाचन पत्र देकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। महासभा द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री कैलाश शर्मा (सालीवाले) एवं श्री बसन्त कुमार गैपाल के निर्देशन में सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न की गई। महासभा हितार्थ समाज सेवा का कार्य पूर्ण निष्ठा एवं लग्न से करते रहेंगे। सभी समाज बन्धुओं ने पुष्प मालाओं से स्वागत किया। दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष सत्र अक्टूबर 2019-2022 तक निर्वाचित घोषित किया जाता है। चुनाव अधिकारियों एवं उपस्थित जन समूह ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष श्री लादूराम जी को बधाई दी।

आपके मंगलमय जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं।

कैलाश शर्मा(सालीवाले)- 9829062211 चुनाव अधिकारी
एवं बसन्त कुमार गैपाल- 9414010591 चुनाव अधिकारी

मनुष्य मशीन का दास बन गया है

आजकल ऐसे कम्प्यूटर बनने लगे है जो मनुष्य की तरह ही सोचने वाले होंगे। लेख और उपन्यास लिखेगा मगर, हम पूछना चाहते हैं क्या मशीनें महात्मागांधी, सुभाषचंद्र बोस, चन्द्रशेखर आजाद, तुलसी सूर और कबीर पैदा कर सकेंगी। निश्चित रूप से मशीन से बड़े-बड़े चमत्कारिक कार्य होंगे मगर, मनुष्य के अधरों की मुस्कान और उनकी आँखों के आँसू जो चमत्कार संसार में करते रहे हैं क्या ऐसे चमत्कार मशीनों से संभव है? यदि विज्ञान के आविष्कारों से सुख प्रगट होता होता तो दुनिया में दुःख का नामोनिशान नहीं होता। आज देश-दुनिया में वृद्ध व्यक्ति करोड़ों मिल जायेंगे मगर, उनमें लोग कितने खुश हैं इसकी भी सुधि विज्ञान को लेनी चाहिए। शिक्षा में विज्ञान और नये तकनीकों का प्रयोग अवश्य होना चाहिए। विद्यार्थियों में दया, धर्म, परोपकार सहयोग सहानुभूति, राष्ट्रभक्ति, विश्व बंधुत्व, सामाजिक एकता, साम्प्रदायिक सद्भावना के सागर भी लबालब भरा होना चाहिये। हमें डर है कि विज्ञान के ताप को इतना न बढ़ाया जाय जो मानवीय सदगुणों के सागरों के पानी को भाप बनाकर उड़ा दे। कम्प्यूटर का आकार भी धीरे-धीरे छोटा होता जा रहा जो कुछ ज्ञान है अब कम्प्यूटर के पास है। मनुष्य मशीन का दास बन गया है।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा,दिल्ली

पंजीकृत सं.-एस.27/1919

प्रदेश सभा गुजरात ''प्रदेशाध्यक्ष'' चुनाव, दिनांक 06 अक्टुबर 2019, रविवार

चुनाव - परिणाम

बूथ क्रमांक एवं स्थान		कुल मतदाता	प्रत्याशी का नाम एवं प्राप्त मत			मतों का अन्य विवरण				
बूथ क्रमांक	बूथ स्थान		श्री कैलाश जी जांगिड़	श्री मदनलालजी शर्मा	श्री मोहनलालजी जांगिड़	ईमेल मत	टेण्डर मत	निरस्त मत	कुल मतदान	मतदान का प्रतिशत
1	अहमदाबाद	773	4	137	175	0	0	3	319	41.27
2	आणद	110	0	8	75	0	0	0	83	75.45
3	बड़ोदा	625	4	139	130	0	0	1	274	43.84
4	डीसा	135	2	6	97	0	0	0	105	77.78
5	भरूच	112	0	36	41	0	0	5	82	73.21
6	दाहोद	210	0	23	175	0	0	2	200	95.24
7	डाकोर	77	1	32	12	0	0	0	45	58.44
8	गांधी नगर	283	0	37	74	0	0	0	111	39.22
9	गोधरा	63	0	43	8	0	0	0	51	80.95
10	गांधीधाम	160	0	4	105	0	0	0	109	68.13
11	महेसाणा	64	1	26	11	0	0	3	41	64.06
12	सूरत	330	17	56	78	0	0	1	152	46.06
13	वलसाड	194	6	95	43	0	0	0	144	74.23
14	वापी	235	0	96	30	0	0	0	126	53.62
योग		3371	35	738	1054	0	0	15	1842	54.64

कुल मतदाता - 3371 निर्वाचित प्रत्याशी का नाम -- श्री मोहनलाल जी जांगिड (गांधीधाम)

कुल मतदान - 1842

श्री मोहनलाल जी जांगिड 316 मतों से विजय हुए।

दिनांक :- 06.10.2019, रविवार

कार्यालय :-

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

प्रवीण शर्मा, नीमच

चुनाव अधिकारी गुजरात प्रदेश

शिवकुमार शर्मा, मंदसौर

सहा. चुनाव अधिकारी गुजरात प्रदेश

श्री मोहनलाल जी जांगिड,
गुजरात प्रदेशसभा के ''प्रदेशाध्यक्ष'' निर्वाचित

प्रदेशसभा गुजरात के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद का चुनाव दिनांक 06.10.2019, रविवार को गुजरात प्रदेश के 14 मतदान केन्द्रों पर प्रजातांत्रिक, निष्पक्ष एवं गुप्त मतदान प्रणाली से शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ । चुनाव में श्री मोहनलाल जी जांगिड पिता श्री सोनाराम जी निवासी ई 276 सपना नगर गांधीधाम को अधिक मत प्राप्त हुए ।

अत: श्री मोहनलाल जी जांगिड को प्रदेशसभा गुजरात के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद पर (सत्र अक्टुबर 2019- 2022) निर्वाचित घोषित किया जाता है ।

बधाई... यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ।

गुजरात प्रदेशसभा के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद का निष्पक्ष, प्रजातांत्रिक एवं गुप्त मतदान प्रक्रिया से सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्वक चुनाव कराने हेतु सम्माननीय पर्यवेक्षक, मतदान अधिकारी एवं बूथ प्रभारीयों के प्रति धन्यवाद ... आभार ... । साथ ही सभी सम्माननीय प्रत्याशीयों एवं मतदाताओं, महासभा के कार्यालयीन स्टाफ सहित समाज बंधुओं का जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया, उन सभी के प्रति धन्यवाद... आभार... ।

शिवकुमार शर्मा
सहायक चुनाव अधिकारी
गुजरात प्रदेश
मो. 8770015439

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी,
गुजरात प्रदेश
मो. 9300905141

श्री कृष्णअवतार जांगिड को मिला
एनवायरमेन्टल प्रोटेक्सन सैस्टेन एबल डिवलपमैन्ट अवार्ड

मंगलायतन विश्वविद्यालय मथुरा(उत्तर प्रदेश) ने श्री कृष्णअवतार जांगिड (बावडीपुर नारनौल) उप-प्रधान अखिल भारतीय जांगिड महासभा दिल्ली को मंगलायतन विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के कैम्पस में 25 सितम्बर 2019 को एनवायरमेन्टल प्रोटेक्सन सैस्टेन एबल डिवलपमैन्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमेन श्री हेमन्त गोयल, उप कुलपति, रजिस्ट्रार व सभी सम्मानित अधिकारियों ने इनके उत्तम स्वास्थ्य व स्वस्थ जीवन की कामना की तथा आगे भी इस उम्र मे इसी प्रकार के कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके इस अवार्ड पर जांगिड समाज एवं लक्ष्मीनारायण पाटन डॉ. सुभाष रेवाड़ी, डॉ. नित्यानन्द, डॉ. सन्जू, वेदप्रकाश माईनिग आफिसर, सत्यनारायण बाबूजी आदि ने इस अवार्ड के लिए बधाई दी।

सम्पादक

प्रदेश सभा महाराष्ट्र कार्यकारिणी की त्रैमासिक सभा संपन्न

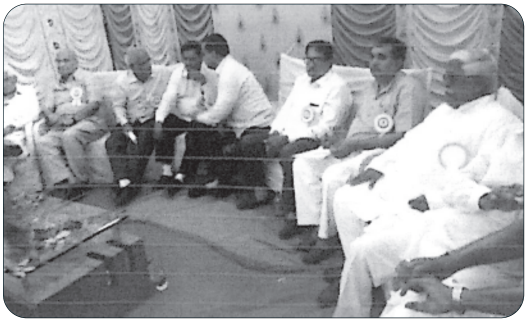

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा महाराष्ट्र कार्यकारिणी की त्रैमासिक सभा 22 सितम्बर 2019 को अकोला में प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रहलाद सहायजी जांगिड की अध्यक्षता में संपन्न हुई । सर्वप्रथम महासभा प्रदेश सभा के पदाधिकारियों (प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रहलाद सहाय जी जांगिड़ ,महासभा सरंक्षक श्री मोहनलाल जी दायमा , महासभा सरंक्षक एवम भामाशाह श्री चांद रतन जी जांगिड़ ,महासभा सरंक्षक एवम सदस्य उच्चस्तरीय समिति श्री चम्पालाल जी , महासभा उपप्रधान श्री लक्ष्मीनारायण जी जांगिड़, प्रभारी मिश्रिलालज़ी दायमा, श्री रोहिताश जी जांगिड़,श्री प्रदीप जी कुलरिया,श्री जयंतीलाल जी जांगिड़,श्री विजयराजजी जांगिड़, श्री नथमल जी जांगिड़, श्री बनवारीलालजी जांगिड़, आदि)को मंचासीन करवाया तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर ध्वजारोहण किया और भगवान श्री विश्वकर्मा जी की आरती के बाद सभा की कार्यवाही के प्रारम्भ में अपनी परम्परा के अनुसार सिर्फ पुष्प देकर संक्षेप में सभी का स्वागत किया गया ।हमारे वरिष्ठ समाज सेवी येवला निवासी श्रीमान माणकचन्द जी जांगिड का निधन उनके निवास येवला हो गया था इसलिए सभाग्रह में दो मिनट का मौन रख कर उनको श्रद्धांजली दी गयी । प्रदेश सचिव श्री प्रदीप जी कुलरिया ने गत मीटिंग की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया जिसका सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया । जिलासभा प्रगति रिपोर्ट में सर्वप्रथम बुलढ़ाणा जिला अध्यक्ष श्री शिवलाल जी ने जिलासभा द्वारा किये गए समाज हित के कार्यो की एक विस्तृत एवम सूचीबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसकी सभी ने करतल ध्वनी ने प्रशंसा की ।

नागपुर जिला अध्यक्ष श्री विनोद जी ने भी अपने द्वारा किये गए कार्यो की विस्तृत रिपोर्ट दी, जिला कार्यकारिणी नागपुर दवारा 17 सितम्बर श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस पर **''जागृति''** समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करने का बहुतकी शानदार कार्यक्रम रखा गया ।जालना जिले के जिला अध्यक्ष श्री गजानंद जी जांगिड़ ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जो विवाद जालना जांगिड़ समाज मे पिछले कई वर्षो से चल रहा है बहुत बार प्रयास करने के बावजूद समाधान कारक हल नहीं निकल पाया अत: इसका कोई समाधान कारक हल निकाला जाय ।चुनाव अधिकारी श्री विजय जी ने आज हुए जिलासभा चुनाव तथा शेष जिलासभा चुनाव के बारे में समाज को अवगत करवाया । परिचय सम्मेलन को आगे बढ़ाने के लिए श्री विनोद जी जांगिड़ नागपुर जिला अध्यक्ष को इस प्रकल्प का प्रमुख बनाया गया, श्रीमान विनोद जी ने इस कार्य की जिम्मेदारी लेते हुए आस्वासन दिया कि शीघ्र ही एक समिति का गठन कर समाज बंधुओं के सहयोग से परिचय सम्मेलन नागपुर में ही करवाया जायेगा ।श्री मोहनलाल जी दायमा ने अपने उदबोधन में हमारे समाज हित की सरकारी योजनाओ के बारे में जानकारी दी और बताया की समाज को सरकारी योजनाओ का लाभ लेना चाहिए ।

महाराष्ट्र के जिले यवतमाल परभणी नंदुरबार के जिलाध्यक्ष निर्विरोध चुने गये

यवतमाल जिले से श्रीमान रतनलालजी गोठड़ीवाल और परभणी जिले से श्रीमान भंवरलालजी राजोतिया निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुने गए, नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षो को श्री प्रहलाद सहाय जी द्वारा शपथ दिलाई गई, इसके साथ ही धुलिया जिला अध्यक्ष श्री नानूराम जी को भी शपथ दिलाई गई । नंदुरबार जिला के अध्यक्ष पद के उमीदवार समय पर नहीं पहुँचने की वजह से नंदुरबार समाज बंधुओं के आग्रह और वरिष्ठ कार्यकारिणी की स्वीकृति के अनुसार नंदुरबार जिले का फार्म एक दिन बाद में लिया गया और श्रीमान

कमलेशजी गोठड़ीवाल निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुने गए ।श्रीमान रोहिताश जी जांगिड़ ने अपने उदबोधन में बताया कि महासभा को मजबूत करने के लिए हमे हर संभव मदद करनी चाहिए और समाज की एकता को कायम रखने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए । प्रदेशाध्यक्ष श्री प्रहलाद सहाय जी ने अपने उदबोधन में संक्षिप्त सूचना पर आकोला जांगिड़ समाज दूवारा इस भव्य सफलतम आयोजन ओर व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया और सभी जिलाध्यक्षों व कार्यकर्ताओ को निर्देश दिया की आगामी त्रेमासिक मीटिंग में सभी सदस्यता शुल्क की रसीद बुकें जो भी स्तिथि में जमा करवाने की कृपा करावे।

आकोला जांगिड़ समाज द्वारा आयोजित इस त्रैमासिक सभा के भव्य और सफलतम आयोजन के साथ साथ सुबह का जलपान एवम दोपहर के स्वादिष्ट रुचिकर स्वरूचि भोजन के लिए आकोला जिला सभा कार्यकारिणी एवम जांगिड़ समाज आकोला बहुत बहुत बधाई के पात्र है ।

प्रदीप कुलरिया
महामंत्री प्रदेशसभा महाराष्ट्र

चुनाव अधिसूचना

पुर्णे जिलाअध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी जांगिड का कार्यकाल आगामी 14.01.2020 को पूर्ण हो रहा है। इसलिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के संविधान अनुसार जिलाअध्यक्ष का चुनाव कराया जाना अपेक्षित है। पुर्णे जिले के जिलाअध्यक्ष पद के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी की जाती है:-

क्र.सं	जिले का नाम	अधिसूचना जारी की तारीख	सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि	जिलाअध्यक्ष पद हेतु नामांकन तिथि	मतदान तिथि
1	पुर्णे	09.10.2019	20.11.2010	05.01.2020	19.01.2020

नामांकन स्थल:- श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज सेवा संस्था कोढ़वा पुर्णे
नामांकन आवेदन:- निर्धारित तिथि को प्रात: 11:00 से 2:00 बजे तक
नामांकन पत्र जांच:- निर्धारित तिथि को दोपहर 2:00 से 2:30 बजे तक
नामांकन वापसी:- निर्धारित तिथि को सायं 2:30 से 3:00 बजे तक
प्रत्याशियों की घोषणा:- निर्धारित तिथि को सायं 3:15
मतदान(आवश्यक हुआ तो):-निर्धारित तिथि को सुबह 9:00 से 5:00 बजे तक
मतगणना एवं चुनाव परिणाम:-मतदान स्थल पर मतदान के पश्चात
नोट:-

1. मतदान केन्द्र का निर्धारण नामांकन प्रक्रिया के बाद आवश्यकतानुसार निर्धारण किया जायेगा।

श्री विजय कुमार सांवरमल जी जांगिड
महाराष्ट्र मुख्य चुनाव अधिकारी
(अ.भा.जा.ब्राह्मण महासभा दिल्ली)

मिश्रीलाल पूनमचंद जी दायमा
प्रदेश प्रभारी महाराष्ट्र
(अ.भा.जा.ब्राह्मण महासभा दिल्ली)

भारतीय राजनीति में पात्र जांगिड ब्राह्मण समाज की उपेक्षा क्यों

प्रख्यात समाजशास्त्री **लुई ड्यूमो** एवं **डी.एफ.पोकाको** द्वारा अंग्रेजी पत्रिका "Contribution to Indian Sociology में प्रकट विचारों से सन् 1957 में इस विषय पर बहुत दिलचस्प बहस प्रारम्भ हुई कि भारत के संदर्भ में क्या कोई **'विशिष्ट समाजशास्त्र'** होगा? इस ज्वलंत विषय पर विचार-विमर्श के लिये देशभर में लगभग एक दशक तक गोष्ठियाँ चलती रहीं। **ड्यूमों** व **पोकाको** के अनुसार समाजशास्त्र की विचारधारा को विश्वस्तर पर दो भागों में बांटा जा सकता है – एक व्यक्तिवाद व समानता पर आधारित पश्चिमी देशों के समाजशास्त्र की **वैश्वीय विचारधारा** और दूसरी सोपानिक और पवित्र-अपवित्र की अवधारणा पर आधारित भारत के समाजशास्त्र की **विशिष्ट विचारधारा**। विश्व के अनेक विकसित देशों में सामाजिक समानता की वैश्वीय विचारधारा सही अर्थो में दृष्टिगोचर हो रही है। वह सामाजिक समानता के वैश्वीकरण के प्रबल समर्थन में खड़े दिखाई देते हैं। परन्तु भारत में सोपानिक और पवित्र-अपवित्र की अवधारणा आशातीत परिवर्तित नही हुई जिसके कारण यहां मानव समाज पूर्व में भी भिन्न-भिन्न धर्मो, जातियों-उपजातियों व सम्प्रदायों में विभाजित होता रहा है। विडंबना यह है कि इस से भी दो पायदान आगे हम शनै-शनै गरीब और अमीर – दो प्रथक वर्गों में पुन: खंडित दिखाई देने लगे है।

प्रश्न यह है कि क्या चुनिंदा समृद्ध समुदायों में सदैव सत्तासंपन्न रहने की मनोवृति, सर्वोपरिता के अंहकार, पवित्र-अपवित्र और ऊँच-नीच के चलते दूसरे जन-समुदायों के प्रति स्नेह और सहयोग के आत्मीय भावों के सृजन और संचरण की संभावनाऐं बढ़ेगी? इसका यथोचित उत्तर यह होगा कि – भारत में सभी जातियों को राजनीति में समुचित प्रतिनिधित्व प्रदान किए बिना शायद यह संभव नही होगा। निश्चय ही **'भारतवर्ष के वर्तमान सामाजिक परिवेश'** में राजनीति चुनिंदा विशिष्ट परिवारों और समृद्धशाली जातियों तक सिमट कर रह गई है। परोक्ष रूप से हम **'जातिगत समीकरणों'** की राजनीति से ही नियंत्रित होते रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक समानता के लक्ष्य से हम कोसों दूर हैं।

यधपि हमारे देश में **'जातिगत समीकरण'** की राजनीति के संवर्धन व संपोषण की कोई संवैधानिक व्यवस्था नही है, परन्तु निसंशय देश के सभी राजनीतिक दल चुनावी स्पर्धा में विजय प्राप्त करने हेतु 'जातिगत समीकरणों' को सबसे प्रभावशाली हथियार के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। हम भारतीयों के सामाजिक व आर्थिक जीवन में जातिगत समीकरण मेरुदण्ड की भांति कार्य कर रहे हैं। यह इतने व्यापक व प्रभावी हैं कि राजनैतिक गलियारों में व्यक्ति की पहचान उसके गुण, कर्म अथवा योग्यता से न होकर उसकी जाति के वर्चस्व से होती है। विभिन्न मान्यताओं, आस्थाओं व परम्पराओं के इस विशाल देश में जातिगत समीकरण प्रभावी रहने के कारण ऐसी मृदा निर्मित नही हो पा रही, जहां **"राष्ट्रधर्म – केवल एक धर्म और मानव जाति – केवल एक जाति"** जैसे उत्कृष्ट संकल्प और संस्कार अंकुरित और पल्लवित हो सकें।

उत्तरोत्तर सुदृढ़ हो रही इस परिपाटी से इस कथन में कोई अतिश्योक्ति नही होगी कि देश के राजनीतिक दलों द्वारा जातिवादी राजनीति से परहेज दर्शाना, मात्र उनका दिखावा है। भारतीय राजनीति इतनी विशिष्ट है कि चुनावो के एक वर्ष पूर्व ही आंकलन हो जाता है कि अमुक लोकसभा अथवा विधानसभा क्षेत्र में किस प्रमुख राजनीतिक दल का प्रत्याशी किस विशेष परिवार अथवा जाति का होगा। यद्यपि औधोगिक क्षेत्र, फिल्म उधोग और खेल जगत के नामचीन व्यक्तियों पर जातिय समीकरण, राजनीति के अनुभव तथा निष्ठा के प्रतिबन्ध लागु नही होते, अपितु राजनीतिक दलों के अग्रणी नेता स्वयं इनकी लोकप्रियता व धनाढ़यता से वशीभूत किसी भी चुनाव क्षेत्र से विशेषाधिकार पूर्वक इन्हें अपना प्रत्याशी बनाने में गर्व अनुभव करते

हैं। निश्चय ही यह एक महत्वपूर्ण विचारणीय प्रश्न है कि जब राजनीतिक दलों में निरंतर यह प्रवृति बनी रहेगी तो समाज के वह वर्ग जो राजनीति भागेदारी में सदैव **'वंचित'** रहते आए, ऐसे राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की दृष्टि में उनका अस्तिव महज **'समर्थक'** अथवा **'मतदाता'** से अधिक कैसे संभव हो सकता है।

इस वर्ष सम्पन्न हुए लोकसभा चुनावों में किसी प्रमुख राजनीतिक दल ने जांगिड ब्राह्मण समाज के प्रतिभासम्पन्न, योग्य, समर्पित व निष्ठावान कार्यकर्त्ता को अपने दल का प्रत्याशी नही बनाया। यही स्थिति अब राज्यों की विधानसभा चुनावों में है। आखिर प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा किसी अल्प जाति समुदाय अथवा सामान्य परिवार के योग्य व्यक्ति को प्रत्याशी बनाने में क्यों परहेज किया जाता है, इसके नेपथ्य में कारणों पर हम क्यों आत्ममंथन नही करते? क्या इन परिस्थितियां के लिए हम कहीं भी उत्तरदायी नही हैं? हमें इस वर्ष सम्पन्न लोकसभा व आसन्न विधानसभा चुनावों में फेसबुक, वॉटसएप आदि सोशल मीडिया में किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष अथवा विरोध में प्रयुक्त कटु व अशोभनीय प्रचार में सहमति अथवा असहमति प्रकट करने की प्रवृति से बचना चाहिए था। काश हम अन्दाज लगा पाते कि सियासत की हाट में हर एक 'वोट' बेशक़ीमत होता है। अफ़सोस कि भीड़ का बेवजह हिस्सा बनकर अपने **'वोट'** को हम अपनी **'पहचान'** में तबदील नही कर पाए। राजस्थान विधानसभा चुनावों में परिस्थितियां भिन्न थी। वहां चुनावों से पूर्व ही जांगिड ब्राह्मण समाज के महानुभावों, विशेषकर उत्साही युवाओं द्वारा प्रदर्शित राजनैतिक जागरुकता और एकजुटता राजनीतिक दलों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में कारगर साबित हुई। श्री जगदीश चन्द्र जांगिड की अपने क्षेत्र में लोकप्रियता, राजनैतिक अनुभव और पुरुषार्थ के कारण उनका विधायक चुना जाना लगभग निश्चित था। लेकिन इसमें कोई संशय नही कि राजस्थान के समाज बंधुओं में राजनैतिक संचेतना के परिणामस्वरूप अन्य राजनीतिक दलों द्वारा जांगिड ब्राह्मण समाज से प्रत्याशी बनाने की परम्परा की शुरुआत हुई।

भारतीय लोकतन्त्र के महाकुम्भ में वही शंखनाद सुनाई देता है, जिसकी गुंज चहूँ दिशाओं में हर कान तक पहुँचे। जांगिड ब्राह्मण महासभा का देश में पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर कमोबेश अन्य राज्यों में संगठनात्मक ढ़ांचा है। अन्य विश्वकर्मा जातियों/उपजातियों के साथ सामूहिक रूप से इस पथ पर दृढ़ता से अग्रगामी हुआ जा सकता है। दृढ़ संकल्प से किए गए पुरुषार्थ में लक्ष्य भेदन कभी कठिन नही होता। केवल परस्पर वैचारिक सामंजस्य, समन्वय और संगठित प्रयासों की आवश्यकता है, जो आप आज से ही प्रारम्भ कर सकते हैं।

भारतीय राजनीतिक दलों का यह भ्रम तत्क्षण समाप्त हो सकता है कि जांगिड ब्राह्मण समाज अल्प संख्या में है और इसमें राजनीतिक सामर्थ्य का अभाव है। सर्वसमाज से आत्मिय प्रेम एवं भ्रातृत्त्व-भाव हमारी संस्कृति, संस्कार और जीवन दर्शन रहा है। अत: दूसरे जाति समुदायों से आशातीत समर्थन और सहयोग प्राप्ति में संशय की गुंजाइश नही रह जाती। वर्तमान समाज में एक से बढ़कर एक सहृदय और उदारचित् भामाशाह और समर्पित समाजसेवी हैं तो फिर मुश्किल क्या है। दृढ़ संकल्पज्ञ, प्रतिभावान, योग्य व राजनीति में रूचिकर बंधुओं को निश्चय ही इस पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।

कैलाश कुमार जांगिड
रेवाड़ी (09468290765)

अहं का ताश महल भरभराकर गिर पड़ा

रात के दूसरे प्रहर मां का फ़ोन आया। चाचा गुजर गए। मैं चाचा के काफी क़रीब थी। अल सुबह ही मैं अकेले स्टेशन पहुंच गई। स्टेशन की नवाज़िश है कि वह अजनबियत को दोस्ती में बदल देती है। स्टेशन पर बैठे ट्रेन के इंतज़ार में हम दोनों अजनबी एक बेंच पर बेतकल्लुफ़ अंदाज़ में ट्रेन का इंतज़ार कर रहे थे। मैं थोड़ा खिसकी, उसने शुक्रिया कहा। उसने कल चिप्स का पैकेट मेरी तरफ़ बढ़ाया। तभी पर गाड़ी आ गई। मैं भीड़भाड़ में बमुश्किल भागकर ट्रेन पर चढ़ी और सामान रखा। अफरा- तफरी के बीच वो महिला भी इसी डिब्बे में चढ़ गई, जो थोड़ी देर पहले बेंच पर मेरे साथ थी। वह डिब्बे में किसी तरह चढ़ तो गई पर उसे बैठने की जगह नहीं मिली। थकी-थकी कातर दृष्टि से इधर-उधर देखती, कभी वो अपने फूले हुए पेट को संभालती तो कभी कंधे पर टंगे बैग हालत इतनी कमज़ोर कि ज़रा- सा धक्का लगे तो गिर जाए बेचारी... ! पास वाली बर्थ पर चार लड़के पैर पसारकर गमछा बिछाए पत्ते खेल रहे थे। उसने देखा, अगर ये घुटने से घुटने हटा लें तो उसे घुटने सटाने की जगह मिल जाएगी। बड़ी हसरत से उसने बैठने की जगह मांगी, पर उन लोगों ने बड़ी हिकारत से देखा। मैं खिड़की के पास कोने में बैठी सब देख रही थी। वे ताश खेलने वाले बेमुरव्वत और खुरदुरे किस्म के आदमी थे। वे ताश खेलते हुए ठहाके लगा रहे थे और उसको देखकर फ़ब्तियां कस रहे थे। उनका फूहड़ मज़ाक उसे भीतर तक छलनी कर रहा था। यार...मान गए इस उम्र में ये सब। कौन-सी जड़ी-बूटी लेते होंगे इनके वो...। वो बदमिज़ाज लड़के उनकी तरफ रुख करके बोले, ''आपको इस उम्र में मां बनने की क्या सूझी ?'' और ठहाका लगाकर हंस दिए।

मैंने देखा, वह बेचारी बदमिजाजी और बदजुबानी सुनकर भी अनदेखा करने की कोशिश कर रही थी। पर तभी उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। वह पसीने से तेरे बतर हो गई। मैंने उठकर उस महिला को अपनी जगह बिठाया, पीने को पानी दिया। शायद देर तक खड़े रहने से उसके पेट में दर्द उठ आया था। दबी आवाज़ में उनमें से एक लड़का मुझे देखते हुए बोला, 'बड़ी मदर टैरेसा बन रही है" दूसरा बोला, 'यहां पहले ही जगह नहीं है, अब क्या इन्हें सर पर बैठा लें !' वह बेबस हो खड़ी हो गई- 'तुम बैठो, मैं ठीक हूं।' ताश के खिलाड़ी अब भी पत्ते फ़ेंट रहे थे। मैंने फिर लरज़ती आवाज में कहां, 'आप थोड़ी देर खेल बंद कर दें तो. इनको बैठने की जगह मिल जाएगी।' हमारी बात ख़त्म भी न हुई थी कि अचानक ही बह महिला आवेश में आ गई, 'अपना गमछा हटाइए, मुझे बैठने दें।' 'नहीं हटाते, क्या करोगी ?' वे गुस्से में बोले। महिला ने अपना हाथ बढ़ाया और गमछे के कोने को मजबूती से पकड़कर झटक दिया, पत्ते बिखर गए। एक पल के लिए तो वे सब सकते में आ गए। वो ताक़तबर और हिम्मती थी। एक स्त्री ने उनके गुरूर को चित कर दिया। वे गुस्से से तमतमाए उठ खड़े हुए। उनमें से जैसे ही एक ने उसकी बाजू पकड़ी, उसने अपना दूसरा हाथ चपटा किया और तख़्ते की तरह कलाई पर प्रहार कर दिया। उसके हाथ बुत गए। बाकी आगे बढ़े तो वह बोली, 'तुम लोग कैसे मर्द हो...? एक गर्भवती स्त्री पर हमला करोगे ?' उनके हाथ रुक गए। वह महिला सीट पर बैठ गई। वे लड़के भी भौचक्कें से बैठ गए। उनका ना सिर्फ ताश का महल भरभराकर गिर पड़ा था, कहीं किसी कोने में अहंकार का किला भी टूट गया था। वे अपने बिखरे पत्ते समेट रहे थे।मैंने महिला से पूछा, 'कौन-सा महीना ?' 'सातवां..।' गहरी-सांस लेती हुई बोली। 'आपको ऐसी हालत में सफ़र नहीं करना चाहिए था, कम से कम आपके पति को तो इस समय आप के साथ होना चाहिए।' 'वह फौज में कैप्टन थे।' खिलाड़ियों के हाथ रुक गए। मैंने ठिठकते हुए पूछा, 'थे... मतलब?' 'कुछ महीने पहले ही आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। 'उसने उदासी भरी आह भरी...। फिर बोली, 'मेरा एक बेटा था। वो एयरफोर्स मे पायलट था। जानते हो वो सिर्फ़ इक्कीस का था। वो तो शहीद होकर चला गया, पर हमें तो जीने की वजह चाहिए थी। मैं फौजी की पत्नी और मां हूं, टूटना मैंने सीखा नहीं। ***क्रमशः-***

शेष भाग पृष्ठ संख्या 55 पर.....

विचारों का पड़ता है चरित्र पर गहरा प्रभाव

सभ्य, शिष्ट, योग्य नागरिक बनने में उसी के विचारों का काफी योगदान होता है। इस संदर्भ में महापुरूषों ने समय-समय पर जाति-समाज व राष्ट्र को जगाया है। वेदों में भी इस संबंध में विस्तार से विचार मंथन हुआ है। हम जिन विचारों, विश्वासों, अनुभवों की ओर आकर्षित हो रहे है वे हमारे ही विचारों का परिणाम है। हमारे विश्वासों का नतीजा है। हमारा मस्तिष्क, विचार उत्पादन का, आयात-निर्यात की कार्यशाला व भण्डार है। जिसमें दिनभर अनगिनत विचार उत्पन्न होते है। खरीदना-बेचने वाली रखना, बाहर करना आदि कार्य सहजभाव रूप से हो जाते है। यहां जरूरी होता है अपना आत्म निरीक्षण करते हुए सकारात्मक राह खोज उस पर चलने का। हमारे विचार हमारी सोच हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालते है। नकारात्मक विचार हमारे दुख और बढ़ा देते है, वहीं सकारात्मक विचार सुख की ओर आगे बढ़ाते है। जब हमारा मन शान्त, सन्तुलित, स्वस्थ और सकारात्मक होगा तो प्रसन्नता और शान्ति की जीवन में वृद्धि होती है, होगी इसमें दो राय नहीं है। जैसा हम सोचते है वैसे ही अपने अन्दर के भावों की प्रतिच्छाया हम बाहर देखते है। यदि हम निराशावादी है तो नकारात्मक पक्ष देखते हैं। आशावदी के चारो ओर सकारात्मक भाव ही दिखाई देंगे। दूसरों के साथ हमारे कैसे संबंध है ? हमारे अन्दर कैसी भावनाएँ है ? मित्रों, परिवारजनों, या सहकर्मियों से हम कैसा व्यवहार करते है ? कैसा दृष्टिकोण रखते है ? यह सब हमारे अन्दर की सोच का परिणाम है। जो कुछ भी हम-देखते है, सुनते है, अनुभव करते है, छूते है, सूंघते है। वह सब हमारे अन्दर का ही प्रतिबिम्ब है। व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। महात्मा गाँधी जी ने कहा है - विचार ही व्यक्ति के निर्माता है और व्यक्ति जैसा सोचता है वैसा बन जाता है। देखिए, सोचिए, अच्छा बनने के लिये सोच में सदविचारों का समावेश जरूरी है। जो अन्तःकरण शुद्ध होने पर ही सम्भव है। नकारात्मक सोच एवं दूर्विचार ध्यान और योग से दूर भगाए जा सकते है। अपनी गलतियों को स्वीकारना तथा उस पर अच्छे व्यक्तियों से चर्चा करना सुधार का एक तरीका है। दुर्विचार आने पर अपने ईष्ट का स्मरण ओ३म का उच्चारण करते रहे, लाभ होगा। संकीर्ण मानसिकता में बदलाव लाना जरूरी है। निश्चय ही महान बनने के लिये विचारवान होना जरूरी है। भाग्य को बदलने के लिए अपने आचरण को बदलना होगा। हमारी सोच ही हमारे व्यक्तित्व की निर्धारण शक्ति है। विचारों का हमारे चरित्र पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। विचारों के प्रवाह में बदलाव संगत से ही होता है। अतः यदि आप सम्मान प्राप्त करना चाहो तो बुरी संगत से बचे और विचारों को मलिनता से बचाना होगा। विचार ही चरित्र को प्रभावित करते है। परिणामस्वरूप हम वैसे ही कार्य करने लगते है व अच्छे बूरे की श्रेणी में आ जाते है। इसमें कोई संशय नहीं कि किसी भी व्यक्ति के भाग्य के बारे में उसके विचारों से जाना जा सकता है। आचरण को बनाने के लिए हमें आदते सुधारना होगी तभी सोच में कुछ परिवर्तन आ सकता है। हम वही करते है जो हम सोचते है। हमारे कियाकलाप और कुछ नहीं बल्कि विचारों के प्रतिफल मात्र है।

अन्त में इतना कहना चाहूंगा कि हम अपने विचारों पर नजर रखे, विचार अच्छे है या बुरे, क्योंकि विचार ही शब्दों में ढलने लगते है। अपने शब्दों पर जब हम गौर करें तो पाते है कि इन्हीं शब्दों का प्रतिबिंब कियाकलापो में झलकने लगता है। यदि कियाकलाप हमारी आदतो का रूप ले लेते है। इन्हीं आदत पर बैठ कर गौर करे तो हम पाते है कि यदि आदत आचरण में बदलती नजर आ रही है और आचरण से तय होता है हमारा भाग्य, आचरण कर्म बनते ही विधाता के निर्णयानुसार प्रारब्ध भाग्य में फल देने हेतु आ खड़ा होता है। जीव कर्म करने में आजाद है पर उस कर्म का क्या फल मिलेगा यह जीव के हाथ में नहीं रहता है। अतः हम अपने विचारों पर नियंत्रण रखते हुए सदाचार का पालन करें। इसीसे हमारे जीवन में सफलता प्राप्त होती चली जायेगी, इसमें कोई संशय नहीं है।

लक्ष्मीचंद कडलुआ(कांजी)

उप प्रधान प्रदेशसभा (म.प्र.), 9754443163

समाज बंधुओं से विनम्र अपील...

आदरणीय समाज बंधुओं,

सादर नमन,

जैसा कि आप सभी को विदित है कि समाज एक लंबे समय से एक भव्य महासभा भवन का सपना देखता आया है जो उन सभी की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतर सके जो अभी महासभा से जुड़े हुये हैं।

आप सभी इस तथ्य से भली भांति परिचित हैं कि समाज की पहचान और प्रतिष्ठा के लिये देश की राजधानी में एक भव्य भवन होना नितांत आवश्यक है जो जांगिड़ समाज के वर्तमान सामाजिक स्तर को दर्शाने के साथ साथ समाज के हर छोटे बड़े सदस्य को गर्व की अनुभूति करवाने में सक्षम हो।

महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश चन्द्र शर्मा जी के सराहनीय प्रयासों का प्रतिफल है कि आज महासभा के पास 450 + 450 वर्ग गज अर्थात 900 वर्गगज की रजिस्ट्री हो चुकी है। जिसके लिए हम उन सभी दानदाताओं का हार्दिक अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त करते है जिनकी पुण्य कमाई के दान–अनुदान से ये जमीन खरीदी गई है। आशा है कि आगे भी इस महासभा भवन/छात्रावास के निर्माण में आप सब का भरपूर सहयोग मिलेगा।

हम सभी को पूर्ण विश्वास है कि जिन महानुभावों ने महासभा भवन के लिये दान देकर धन मुहैया कराने की घोषणा की थी वो तो निश्चित रूप से आगे बढ़ कर न सिर्फ अपने वचन की लाज रखेंगे बल्कि अतिरिक्त दान देने में भी पीछे नहीं हटेंगे, साथ ही साथ अन्य दानदाताओं से भी धन उपलब्ध हो सकता है जो कि पिछली मीटिंगों में किसी कारण से शामिल नहीं हो सके थे या घोषणा नहीं कर पाये थे।

समय की एक और माँग है कि समाज का आम जन महासभा के इस महायज्ञ में अपनी यथाशक्ति आहुति डाले ताकि सभी इस महासभा भवन से जुड़ाव और लगाव और अपना योगदान महसूस कर गर्वान्वित हो सकें।

जब तक समाज के आम जन अपनी नेक कमाई से अपनी खुद की सामर्थ्य के अनुसार 501, 1100, 2100, 3100, 5100, 11000, 21000, 31000, 51,000, 101000, 151000, 201000, 251000 जैसी दान राशि उपलब्ध नहीं करायेंगे तब तक शायद महासभा भवन में अपने योगदान का गर्व महसूस नहीं कर सकेगें अतः छोटे से छोटे योगदानकर्ता का भी आगे बढ़कर योगदान करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बात धनराशि के छोटे या बड़े होने की नहीं है बात ये है कि समाज के हर वर्ग को इस बात का गर्व करने का मौका मिलना चाहिये कि वो कह सकें कि उनका भी योगदान महासभा भवन में लगा हुआ है अतः आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि महासभा भवन के लिये दिल खोल कर छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा योगदान यथासंभव देने की कोशिश अवश्य करें क्योंकि ये एक असाधारण मौका है जो कि आप सभी के सामने बहुत समय के बाद आया है।

आप सभी की ये छोटी छोटी और बड़ी बड़ी आहुतियाँ एक भव्य भवन में आपके योगदान की निशानी बन आपके आने वाली पीढ़ियों को गर्व कराने के लिये एक मिसाल बनेंगी और समाज के विकास को एक नई गति और दिशा मिल सकेगी। अगर आप सभी का सहयोग मिला तो ये लक्ष्य अवश्य हासिल होगा और आगे भी समाज में सहयोग राशि से ही और बड़े बड़े कार्य संभव हो सकेंगे।

भवन निर्माण के लिये धन आना शुरू हो चुका है केवल इसमें तेजी लाने की आवश्यकता है ताकि इस कार्य को जल्द ही साकार रूप दिया जा सके। समाज के एक एक जन से विनती है कि समाज के व्यापक हित में आगे आयें और यथासम्भव योगदान इस महान लक्ष्य की प्राप्ति में अवश्य ही करें।

जय श्री विश्वकर्मा!

–पूर्व प्रधान कैलाश चन्द्र शर्मा
चेयरमैन–प्रस्तावित महासभा भवन

–रविशंकर शर्मा ''जांगिड''
प्रधान महासभा, 09414110627

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

कु. दिशा विनय जी हर्षवाल हिंगणघाट निवासी महाराष्ट्र, महासभा उप प्रधान खामगंज निवासी जी की दोहती को ओलिम्पेड इन्डियन टैलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया, इसके लिए प्रदेशसभा महाराष्ट्र इनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना करती है।आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके के उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

श्रीमती रचना अनिल जी जांगिड को श्रेष्ठ शिक्षिका अवार्ड से पुरस्कृत किया गया और प्रदेशसभा महाराष्ट्र के द्वारा सम्मान किया गया। प्रदेशसभा महाराष्ट्र इनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं करती है। आपकी इस सफलता से समस्त परिवारजन गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके उज्जवल भविष्य,दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

सम्पादक

दुर्ग छत्तीसगढ़ निवासी श्री रामनिवास शर्मा की ज्येष्ठ सुपुत्री रुचि शर्मा ने C A की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही अध्ययन में रुचि रखने वाली रुचि शर्मा प्रतिभावान है। मां उषा शर्मा ने पढ़ाई के साथ साथ गृह कार्य में भी दक्ष किया।मूलत: ग्राम पालड़ी जिला सीकर राजस्थान निवासी स्व.घीसालाल जी की सुपौत्री रुचि का परिवार पिछले 40 वर्षों से दुर्ग में निवास करता है।पिता एक सफल व्यवसायी हैं।रुचि शर्मा प्रादेशिक सभा छत्तीसगढ़ अध्यक्ष बजरंग शर्मा के छोटे भाई की सुपुत्री है। जांगिड़ समाज गौरवान्वित है एवं महासभा रूचि के उज्ज्वल भविष्य दीर्घायु की कामना करती है।

बजरंग शर्मा, अध्यक्ष

कुमारी पूजा जांगिड सुपुत्री श्रीमती भावना देवी एवं श्री श्याम सुन्दर जांगिड निवासी मकराना जिला नागौर, (राज.) ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राज. की उच्च माध्यमिक परीक्षा 2019 में 90.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है। कु. पूजा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है।आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महासभा आपके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

वेद प्रकाश जांगिड, मकराना, नागौर,(राज.)

कविताएं

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी

''विष्णु नारायण''

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी,
हे नाथ नारायण वासुदेवा।
हे नाथ नारायण वासुदेवा
हे नाथ नारायण वासुदेवा।
सिर पर सुन्दर मुकुट सजा है,
कानों में कुण्डल चमक रहे है।
बालों की लटकें घुंघराली है,
निलिमा उनमें झलक रही है।। श्री कृष्ण गोविन्द....
आंखों में अंजन लगा हुआ है,
भोहों से अनुग्रह बरस रहा है।
चेहरे पे प्रसन्नता छा रही है।
मुख-कमल मुस्करा रहा है।। श्री कृष्ण गोविन्द....
वक्ष-स्थल माला से घिरा है,
गले में कौस्तुभमणि लटक रही है।
एक सुनहरी रेखा दरश रही है।
हृदय में लक्ष्मी झलक रही है।। श्री कृष्ण गोविन्द....
बालों में कंगन चमक रहे हैं,
भुजाओं में बाजूबन्द लटक रहे हैं।
हाथों में शंख-चक्र-गदा-पदम है,
अंगुलियों में अंगूठियां चमक रही है।। श्री कृष्ण गोविन्द....
वस्त्र केसरिया पहने हुए हैं,
कटी में करधनी लटक रही है,
चरणों में नूपुर बाज रहे हैं।
अनुपम शोभा निखर रही है।। श्री कृष्ण गोविन्द....
विष्णु की सूरत मोहनी बनी है,
फूलों से श्रृंगार हो रहा है।
चरण-कमल फूलों पे टिके हैं,
फूलचन्द देख कर हर्ष रहा है।। श्री कृष्ण गोविन्द....
श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी,
हे नाथ नारायण वासुदेवा।
हे नाथ नारायण वासुदेवा।
हे नाथ नारायण वासुदेवा।

''ओउम् नमो श्री नारायणाय''

फूलचन्द शर्मा, दिल्ली

कविताएं

जिसके अर्थ काफी गहरे

मैंने हर रोज़ ज़माने को रंग बदलते देखा है..
उम्र के साथ ज़िंदगी को ढंग बदलते देखा है..।
वो जो चलते थे तो शेर के चलने का होता था गुमान..
उनको भी पाँव उठाने के लिए सहारे को तरसते देखा है..।
जिनकी नज़रों की चमक देख सहम जाते थे लोग...
उन्ही नज़रों को बरसात की तरह रोते देखा है..।
जिनके हाथों के जरा से इशारे से टूट जाते थे पत्थर..
उन्ही हाथों को पत्तों की तरह थर थर काँपते देखा है..।
जिनकी आवाज़ से कभी बिजली के कड़कने का होता था भरम..
उनके होठों पर भी ज़बरन चुप्पी का ताला लगा देखा है..।
ये जवानी ये ताक़त ये दोलत सब क़ुदरत की इनायत है..
इनके रहते हुए भी इंसान को बेजान हुआ देखा है..।
अपने आज पर इतना ना इतराना मेरे यारो..
वक़्त की धारा में अच्छे अच्छों को मजबूर हूये देखा है..।
कर सको तो किसी को ख़ुश करो.
दुख देते तो हज्जारों को देखा है।।
करम की गठरी लाद के"
जग में फिरे इंशान!!
जैसा करे वैसा भरे"
विधी का यही विधान !!
कर्म करे क़िस्मित बने"
जीवन का ये मर्म !!
प्राणी तेरे भाग्य में "
तेरा अपना कर्म !!
शुप्रभात सभी को प्रणाम नमस्कार
जय सियाराम, जय श्रीअंगिराजी की

✍सम्पादक जे एच शर्मा

कविताएं

'मैने देखा विकास होते जांगिड समाज का'

मैने देखा पूर्वजों को
देखा कास्ट कला करते
आय के बदले में अनाज
लेते देखा मैंने पूर्वजों को
हाथ, वेथ, चपटी, चार अंगूली
यही नाप का पैमाना था उनका
हिंदी मेरी साफ सुथरी नहीं
पढ़ाई कक्षा मेरी आठ
उम्र अब हुई है साठ
कविता लेख के लिखाण में
तड़का मिक्स लगाता हूं
मारवाड़ी मराठी अंग्रेजी का
तब कविता पूरी कर पाता हूं
समय चक्र फिरता चलागया
जब रूपया आया चलन में
तब खिड़की, दरवाजे करते
देखा मैंने पूर्वजों को
एक रुपया, दो रूपया हाजरी
लेते देखा मैंने पूर्वजों को
समय चक्र फिरता चला गया
जब प्लायबोर्ड आया चलन में
तब मैंने स्क्वायर फुट पर
ठेके लेते देखा पूर्वजों को
जब आया चलन मार्केट में प्रतिशत का
तब 30प्रतिशत मजूरी लेते देखा मैंने
समय चक्र ने करवट बदली
तब मैंने देखा विथ मटेरियल
ठेके लेते देखा पूर्वजों को
शिक्षा क्षेत्र में गरुड झेप
ली मेरे जांगिड़ समाज ने
कोई I.S. ऑफिसर बना
कोई बना कलेक्टर साहेब
बना सेल्सटेक्स ऑफिसर
अनेक शिक्षक बने
देने विद्या दान हेतु
शिक्षकों के अथांग
परिश्रम की पराकाष्ठा से
देश को नई राह
दिखाई है इस अग्रणी समाज ने
संसार का रूप बदला 1995 मे
गेट करार आया इंडिया में
तबसे जांगिड़ समाज के विचार
बदले बदले से लगने लगे
अनगिनत जांगिड़ युवाओ ने
पर्दापण किया व्यापार में
कुछ–कुछ महानुभाव इंडस्ट्रियल बने
'हो रहा है विकास मेरे'
'जांगिड़ ब्राह्मण समाज का'
जब रूपया आया जेब में
जिद्द व परिश्रम की पराकाष्ठा से
समृद्ध हुआ जांगिड़ समाज मेरा
मैंने देखा मिट्टी के मकान धराशाई होते
RCC के मकान नये बनते गये
विश्वकर्मा मंदिर नये बनाये
धर्मशालाएं बनी, छात्रावास बनने लगे
कोई दुबई गया मेरा बंधु
कोई मस्कत, सऊदी अरब
दुनिया को कला के दर्शन
करवाये मेरे जांगिड़ समाज ने
बदला बदला सा लग रहा है
समाज मेरा परिश्रम की पराकाष्ठा से
मैंने देखा विकास होते
जांगिड़ ब्राह्मण समाज का
जब जाता हूं कार लेकर समाज
कार्य में
नहीं मिल पाती पार्किंग की जगह
तब मैंने जाना पहचाना, परखा
हो रहा है विकास मेरे
'जांगिड़ ब्राह्मण समाज का'
देख शिखर स्वरूप विकास समाज का
हृदय मेरा हर्ष से गद–गद
हो रहा है
मैंने देखा पूर्वजों को
देखा कास्ट कला करते
आज जांगिड़ समाज मेरा
अति प्रगति पथ पर है
कृपा असिम है विश्वकर्मा जी की
इस जांगिड़ ब्राह्मण समाज पर
'मैंने देखा विकास होते'
'जांगिड़ ब्राह्मण समाज का'
'जय श्री विश्वकर्मा'

दलीचंद जांगिड़
संस्थापक व अध्यक्ष, श्री विश्वकर्मा मंदिर सातारा (महाराष्ट्र)
मोबाइल नंबर – 94212 15933

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26879	श्री महावीर ,श्री रामस्वरूप,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26880	श्रीमती शशि जांगिड,श्री मनोज कुमार ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26881	श्रीमती सनेश ,श्री हरिओम ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26882	श्री गरीवा ,श्री भूरा राम ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26883	श्रीमती विद्या ,श्री रमेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26884	श्री मनीष कुमार जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26885	कु. सपना जांगिड,श्री हरिओम,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26886	मनीसा जांगिड,श्री प्रदीप कुमार ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26887	श्री मनोज कुमार ,श्री गरीवा,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26888	श्री हरि ओम जांगिड,श्री गरीवा जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26889	श्री अरविन्द जांगिड,श्री रमेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26890	श्रीमती गम्बो जांगिड,श्री गरीबा जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26891	श्रीमती गोपाली ,श्री महावीर ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26892	श्रीमती चन्द्रकला जांगिड,श्री राम चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26893	श्रीमती जगदीश ,श्री मुरारी लाल ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26894	श्री मुरारी ,श्री जगन्या,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26895	श्री सुरेश ,श्री मुरारी,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26896	कु. अनीता ,श्री मुरारी लाल ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26897	श्री अनिल कुमार जांगिड,श्री गिरधारी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26898	श्री पंकज कुमार जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26899	श्रीमती रेखा शर्मा,श्री मनीष कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9414516613	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26900	श्री ब्रिजेश कुमार जांगिड,श्री राम स्वरूप जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26901	श्रीमती कमलेश देवी जांगिड,श्री त्रिलोक चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26902	श्रीमती लता कुमारी जांगिड,श्री अवदेश कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9049958977	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26903	श्री अवदेश कुमार जांगिड,श्री राम निवास जांगिड़,करौली,राजस्थान	9049958977	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26904	श्री टीकम चन्द जांगिड,श्री राजेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26905	श्री विशम्भर दयाल जांगिड,श्री रामविलास जांगिड़,करौली,राजस्थान	7728813721	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26906	श्री गंगा सहाय जांगिड,श्री राम नाथ जांगिड़,करौली,राजस्थान	9785080477	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26907	श्रीमती शकुन्तला देवी जांगिड,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	9785080477	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26908	श्रीमती सरोज जांगिड,श्री सौरभ जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26909	श्रीमती राधा देवी जांगिड,श्री दिनेश चन्द जांगिड,करौली,राजस्थान	9001895074	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26910	श्री दिनेश चन्द जांगिड,श्री राम नाथ जांगिड़,करौली,राजस्थान	9001895074	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26911	श्री त्रिलोक चन्द्र जांगिड़,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26912	श्री गौरव जांगिड,श्री दिनेश चन्द जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26913	श्री रूकमणी देवी जांगिड,स्व. श्री राम विलास जांगिड़,करौली,राजस्थान	772881372	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26914	श्री राजू जांगिड,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	9414400865	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26915	श्रीमती लक्ष्मी जांगिड,श्री राजू जांगिड़,करौली,राजस्थान	9414400865	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26916	श्रीमती चन्दा देवी ,श्री गजा नन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26917	श्री गजानन्द जांगिड,श्री दीन दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26918	श्री विष्णु कुमार शर्मा,श्री गजानन्द शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26919	श्रीमती पिंकी शर्मा,श्री विष्णु कुमार शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26920	श्री मदन मोहन शर्मा,श्री गजा नन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26921	श्रीमती सरिता जांगिड,श्री मदन मोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26922	श्रीमती सपना देवी ,श्री पुरूषोत्तम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26923	श्री पुरूषोत्तम जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26924	श्री जगमोहन जांगिड,श्री राम भरोसी ,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26925	श्रीमती शांति देवी ,श्री जग मोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26926	श्री गोविन्द सहाय शर्मा,श्री जग मोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26927	श्री सुनीता जांगिड,श्री गोविन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26928	श्री शिव दयाल जांगिड,श्री दीन दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26929	श्रीमती उर्मिला जांगिड,श्री लक्ष्मण प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26930	श्री भीमसैन जांगिड,श्री बिहारी लाल ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26931	श्रीमती गुडिया जांगिड,श्री भीम सैन जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26932	श्री गोविन्द जांगिड,श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26933	श्रीमती अर्चना जांगिड,श्री गोविन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26934	श्री लक्ष्मण प्रसाद जांगिड,श्री मुंशी लाल ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26935	श्रीमती माया देवी जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड़ जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26936	श्री विजय कुमार जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26937	श्रीमती शीला देवी ,श्री राम भरोसी ,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26938	श्री गीता कुमारी जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26939	श्री दिनेश कुमार जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26940	श्री गोविन्द कुमार जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26941	कु. प्रियंका कुमारी जांगिड,श्री पूरण मल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26942	कु. पदमा जांगिड,श्री राम भरोसी जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26943	कु. वर्षा जांगिड,श्री गौरव जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26944	श्रीमती राधाबाई जांगिड,श्री टीकम चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26945	श्री संगीता बाई जांगिड,श्री भगवान सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26946	श्री भगवान सहाय जांगिड,श्री शिव चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26947	कु. ममता कुमार जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26948	श्री दिलीप कुमार जांगिड,श्री राम भरोसी जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26949	श्री वासुदेव जांगिड,श्री शिव चरण ,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26950	श्री विक्रम कुमार जांगिड,श्री राम भरोसी जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26951	श्री लक्ष्मण जांगिड,श्री रमेश चन्द,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26952	श्री कर्मेन्द्र जांगिड,श्री राम जी लाल ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26953	श्रीमती पूजा जांगिड,श्री उदय राम ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26954	श्रीमती निशा जांगिड,श्री लक्ष्मण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26955	श्री महेन्द्र जांगिड,श्री प्रहलाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26956	श्री देवेन्द्र जांगिड,श्री गोपाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26957	श्री गौरव कुमार जांगिड,श्री गोविन्द सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26958	श्री सत्य नारायण जांगिड,श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26959	श्रीमती अमृता जांगिड,श्री सत्य नारायण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26960	श्रीमती खुशबू शर्मा,श्री दिनेश चन्द जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26961	श्री दिनेश चन्द जांगिड,श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26962	श्री कलुआ ,श्री भगवत,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26963	श्री महेश जांगिड,श्री कल्याण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26964	श्री सुमेर चन्द जांगिड,श्री कलुआ ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26965	श्रीमती कमला देवी जांगिड,श्री कलुआ ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26966	श्री मनोज कुमार ,श्री कलुआ राम ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26967	श्री भूपेन्द्र ,श्री कलुआ राम ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26968	श्रीमती सरबती जांगिड,श्री मुरारी ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26969	श्री मुरारी ,श्री फोदा ,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26970	श्रीमती सुनीता देवी ,श्री सुनील जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26971	श्री सुनील जांगिड,श्री राम दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26972	श्रीमती पुष्पा देवी ,श्री राम दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26973	श्री दिलीप जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26974	श्रीमती आरती जांगिड,श्री दिलीप जांगिड़,करौली,राजस्थान	9983159887	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26975	श्रीमती हेमलता जांगिड,श्री कन्हैया लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9983159887	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26976	श्री राजीत जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9553536082	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26977	श्रीमती पिस्ता जांगिड,श्री राजीत जांगिड़,करौली,राजस्थान	9983159887	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26978	श्री कन्हैया लाल जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9983159887	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26979	श्रीमती उषा ,श्री भूपेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26980	श्रीमती मीनू जांगिड,श्री मनोज जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26981	श्री प्रहलाद कटारिया,श्री रघुवीर कटारिया,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26982	श्री गोपाल कटारिया,श्री रघुवीर कटारिया,करौली,राजस्थान	-	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26983	श्री अरूण कुमार जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9928847124	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26984	श्रीमती जया प्रदा जांगिड,श्री अरूण कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9694101276	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26985	श्री रमेश चन्द जांगिड,श्री प्यारे लाल ,करौली,राजस्थान	9414848470	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26986	श्रीमती कुसुम जांगिड,श्री मनोज कुमार ,करौली,राजस्थान	9782008009	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26987	श्रीमती इन्दिरा देवी शर्मा,श्री शिवराम शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26988	श्री महेन्द्र कुमार ,श्री शिव राम शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26989	श्री शिव राम शर्मा,स्व. श्री सुन्दर लाल शर्मा,करौली,राजस्थान	8058901953	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26990	श्रीमती अनीता देवी शर्मा,श्री जय प्रकाश शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26991	श्री अजय डेरोलिया ,श्री अशोक डेरोलिया,करौली,राजस्थान	9414401231	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26992	श्रीमती शीला देवी ,श्री अशोक डेरोलिया ,करौली,राजस्थान	9460777559	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26993	श्रीमती वीणा देवी ,श्री अजय डेरोलिया ,करौली,राजस्थान	9414401231	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26994	श्री अशोक कुमार डेरोलिया ,श्री केशर लाल डेरोलिया ,करौली,राजस्थान	9460777559	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26995	श्री अशोक जांगिड,श्री रामेश्वर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26996	श्री मदन मोहन जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9414174088	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26997	कु. नीलम जांगिड,श्री मदन मोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	8764833307	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/26998	श्री मोहित कुमार जांगिड,श्री मदन मोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	9079360415	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26999	श्रीमती लक्ष्मी देवी जांगिड,श्री रामावतार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9887927610	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/27000	श्रीमती रेणु कुमार जांगिड,श्री अनिल कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9785234361	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/27001	श्री दौलत चन्द शर्मा,श्री बद्री प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9828374655	श्री रामावतार जांगिड जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ करौली
RJ	WP/27002	श्रीमती लक्ष्मी ,श्री दौलत चन्द शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27003	श्रीमती सुमन जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27004	श्री चन्द्र शेखर जांगिड,श्री बद्री प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9694915882	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27005	श्रीमती साधना ,श्री चन्द्रशेखर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27006	श्री खुशीराम जांगिड,श्री द्वारका प्रसाद ,करौली,राजस्थान	9799702010	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27007	श्री रघुनन्दन जांगिड,स्व. श्री मोहन लाल ,करौली,राजस्थान	8503010706	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27008	श्रीमती लक्ष्मी जांगिड,श्री रघुनन्दन जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27009	श्री शान्ति देवी जांगिड,श्री हरि चरण ,करौली,राजस्थान	9982197151	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27010	श्री खेम राज जांगिड,श्री हरि चरण ,करौली,राजस्थान	9982197151	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27011	श्री दिनेश चन्द जांगिड,श्री हरि चरण ,करौली,राजस्थान	9982197151	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27012	श्री दीन दयाल जांगिड,श्री हरि चरण ,करौली,राजस्थान	9982197151	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27013	श्रीमती मधु देवी जांगिड,श्री दिनेश चन्द जांगिड,करौली,राजस्थान	9982197151	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27014	श्रीमती सीमा देवी जांगिड,श्री खेम राज ,करौली,राजस्थान	9982197151	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27015	श्रीमती आशा देवी जांगिड,श्री राम चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27016	श्री शिव दयाल जांगिड,श्री बद्री प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9887474661	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27017	श्रीमती लक्ष्मी देवी जांगिड,श्री तारा चन्द जांगिड,करौली,राजस्थान	9983932532	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27018	श्रीमती बैजन्ती देवी जांगिड,श्री मक्खन ,करौली,राजस्थान	9680196463	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27019	श्रीमती ज्योति जांगिड,श्री मौत्थत कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9460962475	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27020	श्री ललित जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9636069512	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27021	श्री दीपक कुमार जांगिड,श्री शिव दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9549386698	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27022	श्री हरिओम जांगिड,श्री बाबू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9667600683	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27023	श्री रामौतार जांगिड,श्री बाबू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9982383029	श्री सीताराम जांगिड कैमला तह. अध्यक्ष नादौती
RJ	WP/27024	श्री शिव नन्द जांगिड,श्री दयानन्द जांगिड,करौली,राजस्थान	9887123105	श्री गजानन्द जांगिड कैमला
RJ	WP/27025	श्री विष्णु कुमार जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	8058352158	श्री गजानन्द जांगिड कैमला
RJ	WP/27026	श्री विक्रान्त जांगिड,श्री दयानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9828875607	श्री गजानन्द जांगिड़ कैमला
RJ	WP/27027	श्रीमती मिथलेश जांगिड,श्री कुमेर जांगिड़,करौली,राजस्थान	9967452923	श्री गजानन्द जांगिड़ कैमला
RJ	WP/27028	श्रीमती शीला जांगिड,श्री सतीश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9785892767	श्री गजानन्द जांगिड़ कैमला
RJ	WP/27029	श्री कुमेर जांगिड,श्री राम भरोसी जांगिड,करौली,राजस्थान	9967452923	श्री गजानन्द जांगिड़ कैमला
RJ	WP/27030	श्री फतेह सिंह जांगिड,श्री राम भरोसी जांगिड,करौली,राजस्थान	7732823811	श्री गजानन्द जांगिड़ कैमला
RJ	WP/27031	श्रीमती मधु देवी जांगिड,श्री विजेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27032	श्रीमती मुन्नी देवी ,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27033	श्रीमती रजनी देवी ,श्री हरिओम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27034	श्री हरि ओम जांगिड,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27035	श्रीमती सुशीला देवी ,श्री विजेन्द्र ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27036	श्रीमती नीरज कुमार जांगिड,श्री विजेन्द्र ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27037	श्री विजेन्द्र जांगिड,श्री कजोड़ मल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/27038	श्री रवि कुमार जांगिड,श्री विजेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं

वर चाहिए

(F-6/5/17)-Looking a suitable match for fair J.B.girl,D.O.B.23.11.1990 ,Ht-5'3'',MBA(Regular) working with Accenture Service Pvt Ltd(MNC) as a Business Analiyst. Preference well qualifed & Well settled boy (Delhi/NCR)Shasan-Self-Kalonia,M-Tagla,G.M-Savlodhiya,Contact Aman Kumar Sharma(Delhi),M-9911349299, 8800181236, E-Mail:- supervisiongraphic@gmaili.com

(F-1/9/19)-Wanted a suitable match for J.B.girl,D.O.B. 15.11.1995 ,Ht-5'4'' Time - 1:10 PM at Delhi ,MSc(Chemistry Hons) from Delhi University(KMC),Shasan-Self-Khandelwal,M-Gothdiwal,G.M-Dhama, Nani-Hamrithiya Contact- Mangli, — 997133227, 9212254429 E-Mail- inder.sharma@gmail.com

(F-1/10/19)-Wanted a suitable match for J.B.girl,D.O.B. 07.08.1988 ,Ht-5'1½'' Time - 7:20 PM at Delhi(Mitrau) ,Qualification-MA Political Science, B.Ed Delhi, Working as TGT Teacher on contract base, Shasan-Self-Kolonia,M-Patodiya,G.M-Baberwal, Contact-9910614097, 8178179185

(F-2/10/19) आवश्यकता है जां. ब्रा. कन्या हेतू सुयोग्य वर की। जन्म तिथि- 11.11.1992 समय- प्रात: 2:30 (AM) जन्म स्थान- दिल्ली, कद- 5'4'' , शिक्षा- BA, MA(History) J.B.T दिल्ली से, CTET, HTET, NET(UGC) व्यवसाय- PGT(History) दिल्ली सरकार के स्कूल एवं PRT Teacher MCD School Delhi दोनों में चयनित हो गई है। शासन-स्वयं-आसलिया, मां-कालोनिया, दादी- बल्दवा । दिल्ली में रहने वाले परिवार ही सम्पर्क करें। सम्पर्क सूत्र- 9643482878, 8130718144

वधू चाहिए

((M-01/10/19) आवश्यकता है जां.ब्रा. युवक हेतु एक सुयोग्य कन्या(मांगलिक) की।जन्म तिथि-30.08.1986 समय-दोपहर 02:47, दिल्ली में, कद- 5'6'', शिक्षा-12वीं पास (सी.बी.एस.ई.) व्यवसाय डी.टी.सी. में कन्डेक्टर।शासन-स्वयं-बालदिया, मां-दुधानिया, दादी-सहवाल, नानी-राजोतिया, सम्पर्क सूत्र- 9999651963

(M-02/03/19) Wanted suitable match for manglik J.B. boy, D.O.B.-14/04/1988, Birth Time- 1:30 A.M, Ht.-5.'5", Education- B.A, Persuing M.A Economics. Working in govt Sector (University of Delhi) **Shasan**-Self-Baberwal,M-Tonagaria,GM-Khandelwal.
Contact-9811523988

पृष्ठ संख्या 44 का शेष भाग....

'ताश के पत्ते हाथों से छूट गए। बर्फ जैसा सन्नाटा। सब मौन। आवाज़ का रूप और शहर का मिजाज बदल गया। ट्रेन में रफ़्तार थी, पर आवाज़ नहीं। पटरी किनारे बेजान पत्थर मुखर हो चुके थे।स्टेशन आ गया था। वह अपना सामान उठाने चर्थ के नीचे झुको। एक साथ कई हाथ आगे आ गए। किसी ने अटैची उठाई, किसी ने हाथ से बैग लिया, बड़े एहतियात और एहतराम के साथ उनका सामान उतारा। सबसे ज़्यादा बदतमीज़ी करने वाला लड़का बोला, 'मैडम, आप जहां कहें, आप को हम लोग छोड़ देंगे, आपको कोई तकलीफ़ नहीं होगी। 'चेहरे पर शरमिंदगी के भाव थे। 'हम अपने किए पर शर्मिंदा हैं। हमारी बदतमीज़ी माफ़ करने लायक नहीं है, फिर भी हो सके तो हमें माफ कर दीजिए।' उस महिला ने प्यार से उसके सिर पर हाथ रख दिया। ट्रेन ने चलने के लिए हॉर्न बजाया। हम सब डिब्बे में चढ़ गए। मेरी आंखें भीग गईं। कुछ देर पहले बदमाशी कर रहे लड़के हाथ हिलाकर महिला को विदा कर रहे थे और वह स्टेशन पर खड़ी मुस्करा रही थी। ट्रेन अपने गंतव्य की ओर चल. पड़ी थी और हम अपनी सीट पर बैठ गए। उस स्टेशन से चढ़ा एक बुजुर्ग, जिसके पास से अजीब-सी बू आ रही थी, बाथरूम के पास वाली जगह पर खड़ा हो गया था। उनमें से एक लड़का उसके पास गया, उसे प्यार से अपनी सीट पर बिठाया और खुद खड़ा हो गया। उस महिला के जानिब उनके क़दम नेकी की ओर बढ़ चले थे...।

शिवदत्त शर्मा, अजमेर

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

अत्यन्त दुख के साथ सूचित करने में आता है कि श्रीमती कौशल्या देवी 90 वर्ष(धर्मपत्नी स्व0 श्री नारायण सहाय, बलदेवगढ़ वाले) हाल निवासी ओल्ड फरीदाबाद का स्वर्गवास दिनांक 23.09.2019 को हो गया है।वह मिलनसार शांत स्वभाव सेवाभाव करने वाली महिला थी आप अपने पीछे दो पुत्र श्री मोहनलाल, श्री हरिकिशन एवं दो पुत्री श्रीमती प्रेमलता, श्रीमती उर्मिला व दो पौत्र मुकेश शर्मा, मनोज शर्मा, तीन पड़पौत्र हेमन्त शर्मा, ईशान्त शर्मा, हर्ष शर्मा एवं दो पड़पौत्री दिया शर्मा, मिशिता शर्मा सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है ।

श्रद्धांजलि सभा दिनांक 04.10.2019 को नई अग्रवाल सदन ओल्ड फरीदाबाद में रखी गई। जिसमें समाज के गणमान्य व्यक्तियों व परिजनों ने पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उनके पुत्रों ने महासभा को 1100/- रू. दानस्वरूप भेंट किये ।

महासभा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं अपने श्री चरणों स्थान दें ।

ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः

कैलाशचन्द्र शर्मा
प्रधान जांगिड ब्राह्मण शाखासभा फरीदाबाद

प्रदेशसभा महाराष्ट्र के सक्रिय कार्यकर्ता एवम प्रचारमंत्री आकोला निवासी श्री रमेश जी जांगिड़ की माताजी बिदामी देवी धर्मपत्नी स्व श्री भगवान सहाय जी जांगिड़ का 19 सितंबर 2019 को उनके पैतृक गांव गोवटी जिला सीकर राजस्थान में वृद्धा अवस्था मे निधन हो गया, 4 बेटे , बेटियाँ ,पोते ,पोतियां , भरा पूरा परिवार छोड़ गई ।भगवान दिवंगत आत्मा को चिर शांति एवम अपने श्री चरणों मे स्थान देवे। प्रदेशसभा महाराष्ट्र की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है ।

श्री रमेश जी की तरफ से महासभा को 500 रु दान स्वरूप भेट करते है ।

महासभा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं अपने श्री चरणों स्थान दें ।

ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः

प्रहलाद सहाय शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

अंत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री दयाराम शर्मा, श्री रोहतास शर्मा एवं श्री दाताराम शर्मा निवासी ककराय तहसील खेतड़ी जिला झुनझुनु (राज.) की माताजी श्रीमति भगवानी देवी पत्नि स्व. श्री नानड़राम चोयल का दिनांक 13 सितम्बर 2019 को 106 वर्ष की आयु में स्वर्गवगास हो गया । आप सरल स्वभाव, स्नेह की प्रतिमूर्ति एवं धर्मपरायण महिला थी । जिनका 25 सितम्बर 2019 को हवन पूजन के पश्चात शान्ति भोज (गंगा प्रसादी) रखा गया था, आप अपने पीछे एक पुत्री एवं तीन पुत्र तथा पोते-पोतियों सहित दोहता-दोहती परपोते-परपोतियों से भरपूर परिवार छोड़कर गई हैं । आपके पुत्र दयाराम शर्मा जांगिड़ समांज सेवी जिला अध्यक्ष शाखा सभा जगदलपुर जिला बस्तर के प्रधान के रूप में कार्य कर चुके हैं अभी हाल मौजूद शर्मा स्टोन (ग्रेनाइट एवं टाईल्स) के संस्थापक है आपके दो पुत्र परवीन शर्मा एवं अरविन्द शर्मा व्यवसाय संभाल रहे है । दूसरे क्रम में पुत्र रोहतास शर्मा अपने व्यवसाय में पुत्रों का साथ दे रहे हैं सबसे छोटे पुत्र दाताराम शर्मा आप भी जगदलपुर, जिला बस्तर छत्तीसगढ़ में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते हुए जिला शाखा सभा में कोषाध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं ।

परिवार की तरफ से महासभा को रू. 2100-00 (दो हजार एक सौ रूपये) दान स्वरूप भेंट किया गया है । महासभा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देकर शान्ति प्रदान करें ।

ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः

बजरंगलाल रोलीवाल

प्रधान- प्रदेश सभा जांगिड़ ब्राह्मण प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ प्रदेश

प्रसिद्ध साहित्य मनीषी व शिक्षाविद् श्री मुखराम माकड़ 'माहिर':

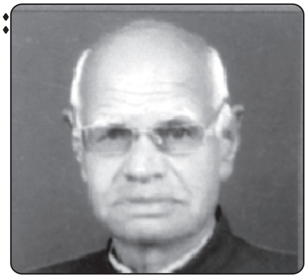

सरल, सहज, सौम्य, सादगी और सद्व्यवहार से परिपूर्ण बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, वयोवृद्ध साहित्य मनीषी और शिक्षाविद् श्री मुखराम माकड़ माहिर की हिंदी, अंग्रेजी व राजस्थानी साहित्य की तीस लिखी किताबें उनकी अमूल्य धरोहर सदैव दैदीप्यमान रहेगी। लगभग 100 संकलन पुस्तकों में सहभागिता। शिक्षा जगत में अपनी बहुमूल्य सेवाएं देते हुए वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी / प्रिंसीपल पद से सेवानिवृत हुए परन्तु शिक्षा और साहित्य जगत उन्हें सदैव प्रेरित करता रहा और ताउम्र सक्रियता के साथ लेखन करते रहे। श्री विश्वकर्मा विद्यानिकेतन, रावतसर के संस्थापक। कई सामाजिक व साहित्यिक संस्थाओं में सक्रिय भागीदारी। साहित्य में सतत सक्रिय व लेखन प्रेरणादायक है। राष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मानों से सम्मानित श्री माहिर सामाजिक एकता और विकास के लिए सदैव अग्रगामी रहे। जन्म 1 फरवरी, 1930 एवं देवलोकगमन 21 अगस्त, 2019, रावतसर, हनुमानगढ़।

महासभा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देकर शान्ति प्रदान करें । ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः **मोहन लाल जाँगिड़, बीकानेर। 9414147270**

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्रीमती गेंदी देवी(धर्मपत्नी स्व. श्री भीमराज शर्मा) भूतपूर्व शाखासभा अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार पंवार की माताजी का स्वर्गवास दिनांक 08.09.2019 को हो गया था । जिनके तीसरे की बैठक 10.09. 2019 को रखी गयी । जिसमें समाज के प्रबुद्ध समाज बन्धुओं ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की । श्रीमती गेंदी देवी बहुत ही नेक व परिश्रमी महिला थी आपके द्वारा किये गयो सामाजिक व धार्मिक कार्यो को समाज सदैव स्मरण रखेगा । आपके स्वर्गवास के पश्चात परिवार के सदस्यों ने बारहवें दिन पर कपड़े पैरावणी का बहिष्कार कर समाज में एक नई पहल स्थापित की व कार्यक्रम को केवल परिवार तक ही सीमित रखा । इसके लिये सामाजिक स्तर पर पंवार परिवार धन्यवाद का पात्र है। इस अवसर पर परिवार द्वारा अन्य संस्थाओं को सहित महासभा को 1100/- सप्रेम भेंट किये गये ।

महासभा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देकर शान्ति प्रदान करें ।

ॐ शांति:, शांति:, शांति:

गोपाल चोयल
अध्यक्ष शिक्षा कल्याण कोष, महासभा

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्रीमती कमलाबाई धर्मपत्नी स्व. त्रिलोकचंद जी बोदलिया निवासी शिवपुरा खेढ़ा, तहसील सावेंर, जिला इन्दौर म.प्र. का निधन दिनांक 27.08. 2019 को 95 वर्ष की आयु में हो गया । आप आध्यात्मिक प्रवृति की हंसमुख मिलनसार सेवाभावी महिला थी । आप अपने पीछे पांच पुत्र सुपुत्र स्व. बाबुलालजी, श्री ताराचंद जी, श्री कैलाश जी, श्री केदार जी, श्री मुकेश जी तथा सुपुत्रियां दो श्रीमती कृष्णाबाई सुभाष जी छडिया, निवासी महिदपुर तथा श्रीमती मनोरमा कैलाश जी दायमा निवासी धार व सुपौत्र संतोष, मनीष, विदित, जितेन्द्र, रोहित, शैलेन्द्र एवं रवि का भरापूरा परिवार छोड़ गई है।आपके सुपुत्रों द्वारा संचालित जांगिड कृषि फार्म शिवपुरा खेढ़ा तथा विजय बॉडी बिल्डर्स ट्रांसपोर्ट नगर इन्दौर के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान है। आपकी अन्त्येष्टि तथा पगडी रस्म पर आपके परिवार द्वारा 30X30 का टीन शेड रोड निर्माण ग्राम शिवपुरा खेढ़ा के श्मशान स्थल पर तथा 5100/-रू. विश्वकर्मा मन्दिर, पटेल नगर, इन्दौर को, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली को 1100/- रू. दानस्वरूप भेंट किये।

महासभा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देकर शान्ति प्रदान करें ।

प्रभुदयाल बरनेला, इन्दौर

ॐ शांति:, शांति:, शांति:

श्रीमती कृष्णा शर्मा

बधाई की पात्र हैं

श्रीमती कृष्णा शर्मा,

धर्मपत्नी सुप्रसिद्ध समाजसेवी रामपाल शर्मा, बैंगलोर जिन्हें दिनांक 13 अक्टूबर 2019 को आयोजित छात्रवृति वितरण समारोह, पुष्कर, राज. में सर्वसम्मति से हर्षोल्लास के साथ विश्वकर्मा ऐजूकेशन ट्रस्ट की अध्यक्षा मनोनीत कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम का शुभांरभ किया गया। इस शुभ अवसर पर श्रीमती कृष्णा शर्मा जी एवं श्री रामपाल शर्मा, दोनों ने संयुक्त रूप से कुल ग्यारह लाख रूपये की घोषणा की है। जिनका सभी उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। इस शुभ अवसर पर महासभा की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्री रामपाल शर्मा

महासभा महामंत्री

KRISHNA INTERIORS

Royal Interiors

- RAMPAL SHARMA, MANAGING DIRECTOR.
- IN THE BUSINESS FOR 30 YEARS
- WE OFFER WIDE RANGE OF INTERIOR SERVICES FOR RETAIL SPACES,,OFFICES AND RESIDENCES.
- TURNKEY PROJECT SPECIALISTS AND PAN INDIA PROJECTS

CONTACT DETAILS...

OFFICE – 13/14 ROYAL CHAMBERS, DODDA BANASWADI, OUTER RING ROAD, NEAR VIJAYA BANK COLONY, BANGALORE-560043.

FACTORY- SURVEY NO 119, KANNUR VILLAGE DODDAGUBBI , POST BIDARAHALLI, BANGALORE-562149

PH-080-25426161,080-25427191
EMAIL ID : ROYALBANGALORE@GMAIL.COM
WEBSITE : WWW.KRISHNAINTERIORSINDIA.COM, WWW.ROYALINTERIORSINDIA.COM
FACEBOOK : WWW.FACEBOOK.COM/ROYALINTERIORSINDIA
INSTAGRAM : WWW.INSTAGRAM.COM/ROYAINTERIORSINDIA

KANTI PRASAD JANGID

Sripawan

The Natural Stone Conglomerate

Sripawan Stonetech specialist in all kind of stones like Indian and Imported marble, granite works with two and half decade experience of stone industry with National and International reputed architects and Interior Designers. We have a team of highly motivated craftsman, high technical modern workshop, dedicated to the creation of beauty and elegance in stone. We also deal in giving the complete solutions for marble, granite and sand stone works. Our mission is the highest standards in our industry. Also client satisfactions are our main motto.

Location : Residence Farm House project in New Delhi

Sripawan Stonetech India(P)Ltd.

(Stone & Marble Projects Company Nationwide)

KPJ Marbosys India (P)Ltd.

(Overseas Marble Trading Company)

Head Office :- W-23, Anupam Garden, IGNOU Road, Sainik Farm, New Delhi-110068 India
Ph. :- +91-11-65650161, 29531567, Mo.9811071694 email: stoneinfo@sripawan.com
CNC Works Unit :-Plot No. 256,257,258 , Road No.-0, Ghitorni Enclave, New Delhi.
Sand Stone Works Unit:-RICCO Industries Area Hindaun City, Dist. Karauli (Raj) India

• Mumbai • Bangalore • Indore • Guwahati

| Mumbai | Bangalore | Indore | Guwahati

C. L. JANGID
CHARIMAN

L. R. JANGID
MANAGING DIRECTOR

JANGID INTERIOR DÉCOR PVT. LTD.

Regd. Office : A-357E, Near Sangam Lodge, Mangal Bazar Raod, Sangam Vihar, **New Delhi**-110080
Tel.: 011-64508820, Fax : 011-26048401, Mob.: 9811038827,
E-mail : jangidint@yahoo.co.in, lr_jangid@yahoo.com

Branch Office : Plot No.5, Angira, GUT No. 139, Satara Parisar, Aurangabad, **Maharashtra**-431010
: 1533A/31, Rajinder Park, Daultabad Road, Gurugram, **Haryana**.
: C-70, Krishna Township, Opp. Yash Complex, Gotri Road, Vadodara Road, **Gujarat**
: KH.No. 1268, Delhi-Jaipur Mile Stone No. 110, NH-8, Near Sahanjahanpur Flyover, Tehsil- Behror, Dist.-Alwar, **Rajasthan.**
: S. No. 2, Highway City Market, Near Nawada, Post-Aurangabad, **Mathura**-281001
: No.9, SLNS Complex, Sunguvarchatrom, Chennai, **Tamilnadu**
: Ground Floor, 11, Irugulam, Satyavedu Mandal, Rasapalem, Chittoor, **Andhra Pradesh**-517588

Late. Prem Narian Sharma
+91-9313047926

Umesh Kumar Sharma
+91-9351064311

VISHWKARMA LAMINATES (P) LTD.

AN ISO 9001-2000 COMPANY

E-165, MIA, ALWAR (RAJASTHAN) INDIA Mobile : 09610509999

PREM IKA INDIA PVT. LTD.

MANUFACTURES OF : LAMINATE SHEETS.

A-466-A, MIA ALWAR (RAJASTHAN) INDIA

Mob.: 09057430000

AN ISO 9001 : 2000 Company

KVQA

NORSK AKKREDITERING MSYS 007

IS : 2036

CM/L-3102528

E-mail : vishwkarma.laminates@yahoo.com
Website : www.vishwkarmalaminates.com

MANUFACTURES OF :
ALL KINDS OF INDUSTRIAL BAKELITE SHEETS
ELECTRIC PANEL BOARD SHEETS & SWITCH BOARD SHEETS
ALL COLORS OF BOTH SIDE LAMINATE SHEET OF EVERY THICKNESS IN ALL SIZES

VHYLAM® PREMICA® HYLITE®

PREM ELECTRIC CO.

Shop No. 1760/66, Dayal Building Shop No. G-5/2, Bhagirath Palace, Delhi-6
Godown : 1556, 3rd Floor, Bhagirath Palace, Delhi-6, Tel.: 011-23869758, 23874004, 23876945

G.L. Sharma
Director
9986700644, 9326100644

Shree
Damodar Coach Craft Pvt. Ltd.

Sy No. 21/2A/2, NH-4, Near Dabaspet Flyover, Tumkur Road,
Bengaluru-562 111 • Ph. : 080-27735045-46
Email : glsharma7374@gmail.com, sdccblr@gmail.com

Plot No. 97/98, Industrial Estate, Bicholim, Goa-403529
Ph. : 0832-2362149 • E-mail : sdccgoa@gmail.com

रमेश शर्मा

Brochures
Invitation Card
Pamphlets
Digital Prints
Stickers
Letter Heads
Visiting Cards
Bill Books &
Books

Tel.: 011-28762935 011-28764008

KAMAL PRINTERS

18-428/1 Upper Anand Parbat (near Ramjas School No. 2), New Delhi-110005

MOBILE: 09810576865, 8510007979, 09810622239

E-MAIL: rameshkamal56@gmail.com, ajaysharma4279@gmail.com, kamal.printer@yahoo.co.in

विश्वकर्मा मन्दिर, पहाड़गंज नई दिल्ली के शपथ ग्रहण समारोह की चित्रावली

CHOYAL
World Class Grinding Solutions
www.choyal.com
squeezing out every drop of power
Introducing
Wonder Mill
World's 1st Digitally Controlled (PLC) CHAKKI
maximum output
maximum quality
maximum consistency
maximum saving
SHRI VISHVAKARMA
(EMERY STONES) INDUSTRIES PVT. LTD.
Regd. Office & Works : Vishvakarma Nagar, P.O. Saradhana – 305206
Distt. Ajmer (Rajasthan). INDIA
Ph. : +91-145-2782228, 2782231 • Fax : 91-145-2782501, 2683999
Ajmer Office : "Shyama", 38 - Adarsh Nagar, Ajmer- 305 001
PRODUCTS
Wondermill (PLC)
Flourmills
Emery Stones
Grain Handling
Grain Processing
Turnkey Projects
Concept Designing
Automation Solution
WE NEVER FORGET HOW MUCH YOU RELY ON
CHOYAL
Numbers, type of items shown in the picture may differ or may not be the part of standard equipment depending upon the specification, requirement, situation, model no. and need of R&D.
All specifications are approximate and are not binding to details. We reserve to amend and alter them without notice.

SHARMA
Group of companies

FULFILLING DREAMS.

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	**Satellite** Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	**Naroda** Call : 9099938777

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at: DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2018-20
Posted Under Licence No. U(DN)39/2019-20
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरुम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154155, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154153

शोरुम: सर्वे नं. 379/2, ग्राम-ढावला, रेवाड़ी, आगर रोड़, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization:

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt.Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office:
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone:0731-2431921,Fax:0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1,
Pithampur Dist. Dhar (M.P) 454775
Phone: 07292-426150 to 70

Website: www.bhagirathbrothers.com

Printed, Published by Sh. Jagdish Prakash Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) All India Jangid Brahman Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed by M/s. Kamal Printers, B 18-428/1 Upper Anand Parbat, New Delhi-110005, Published at Delhi, Editor-Sh. Prabhu Dayal Sharma, 41, Shiva Colony, Tonk Phatak, Jaipur, Raj.

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 October 2019
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006